राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 25 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–393 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सतीश पूनियां की विवादित टिप्पणी को लेकर

राजस्थान विधानसभा में जबरदस्त हंगामा

जयपुर। भाजपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सतीश पूनियां की एक विवादित टिप्पणी को लेकर राज्य विधानसभा में बृहस्पतिवार को जबरदस्त हंगामा हुआ। सत्तारूढ़ कांग्रेस की महिला विधायकों ने पूनियां से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने की मांग की। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। शून्यकाल में मंत्री ममता भूपेश ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पूनियां ने महिला विरोधी बयान दिया है और उन्हें अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। इस मांग को लेकर सत्ता पक्ष की महिला विधायक आसन के पास आ गईं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने रीट की सीबीआई जांच करवाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। उल्लेखनीय है कि पूनियां ने बुधवार को राज्य के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि यह लीपापोती वाला बजट है और ऐसा लग रहा है कि किसी काली दुल्हन को ब्यूटी पार्लर में ले जाकर उसका अच्छे से शृंगार करके पेश कर दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य नेताओं ने पूनियां के इस कथन की कड़ी निंदा की थी। हालांकि, बृहस्पतिवार को खुद पूनियां ने इस टिप्पणी पर एक तरह से खेद जताते हुए कहा कि आमतौर पर वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

40 फीट गहरे बोरवेल में गिरा 4 साल का मासूम

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। उमरिया जिले के बड़छड़ गांव में खुले बोरवेल गड्ढे में 4 वर्षीय बच्चा गौरव दुबे गिर गया है। 40 फीट गहरे बोरवेल में गिरने के बाद गौरव को बचाने की जंग जारी है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन और कलेक्टर मौके पर रवाना हो गए हैं। बच्चे को सकुशल बाहर निकालने की जद्दोजहद जारी है। दरअसल पूरा मामला उमरिया जिले के ग्राम बड़छड़ का है। जहां 4 साल का गौरव दुबे पिता संतोष दुबे खेत में खुले पड़े 40 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। बताया जा रहा है कि यह घटना आज सुबह 11 बजे की है। बच्चे के बोरवेल में गिरने की सूचना के बाद पूरा गांव इकठ्ठा हो गया है।

यूक्रेन का सरेंडर से इनकार

रूस के हमले में यूक्रेन के 40 सैनिकों की मौत, जेलेंस्की बोले- झुकेंगे नहीं

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर युद्ध की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि रूसी और यूक्रेनी बलों के बीच संघर्ष ₹अपरिहार्य₹ जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। रूस ने गुरुवार को भूमि, वायु और समुद्र द्वारा यूक्रेन पर चौतरफा आक्रमण शुरू किया, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप के एक राज्य पर दूसरे द्वारा सबसे बड़ा हमला किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए हैं। यूक्रेन के शहरों पर रूसी मिसाइलों की बारिश हुई। यूक्रेन ने अपनी सीमाओं के पार पूर्वी चेर्निहाइव, खार्किव और लुहान्स्क क्षेत्रों में सैनिकों के टुकड़ियों के आने और दक्षिण में ओडेसा और मारियुपोल शहरों में समुद्र के रास्ते उतरने की सूचना दी। पूर्वी यूक्रेन में डोनेट्स्क क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े शहर मारियुपोल में हवाई अड्डे पर विस्फोट की सूचना मिली है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा पूर्वी यूक्रेन में सैनिकों के आदेश देने के कुछ घंटों बाद, नाटो के दूतों ने स्थिति पर चर्चा के लिए गुरुवार को एक आपातकालीन सत्र बुलाया है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने एक बयान में कहा, यह अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है और यूरो-अटलांटिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। नाटो सहयोगी रूस के आक्रामक कार्यों के परिणामों को संबोधित करने के लिए बैठक कर रहे हैं। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, रूस की व्यापक आक्रामकता पूरी दुनिया और सभी नाटो देशों के लिए खतरा है। रॉयटर्स के अनुसार यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार का कहना है कि 40 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए और कई दर्जन घायल हुए। यूक्रेन का कहना है कि रूसी गोलाबारी में कम से कम 7 मारे गए, 9 घायल हुए हैं। यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि शास्त्य क्षेत्र को यूक्रेनी नियंत्रण में लाया गया है और 50 रूसी सैनिक मारे गए हैं। एक और रूसी विमान, छठा, क्रामाटोर्स्क क्षेत्र में नष्ट कर दिया गया था। ज्वाइंट फोर्सेज कमांड के मुताबिक, शास्त्य इलाके में करीब 50 रूसी कब्जेदारों की मौत हो गई। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई के एक विदेशी पत्रकार के विवरण को ₹आक्रमणश के रूप में खारिज कर दिया। गुरुवार को एक नियमित दैनिक ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, चुनयिंग ने कहा कि चीन ने यूक्रेन की स्थिति में शामिल ₹सभी पक्षों₹ से ₹संयम बरतने₹ का आह्वान किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में एक ह्यह्यसैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की है। रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर बमबारी की जा रही है। हमले को लेकर रूस की चौरफा निंदा की जा रही है। यूक्रेन की स्थिति पर 15 सदस्थीय देशों की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार देर रात एक आपात बैठक बुलाई थी। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर रूस आये हैं। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने रूस-यूक्रेन युद्ध को ₹रोमांचक₹ के रूप में वर्णित किया है।

यूक्रेन ने पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

रूस, यूक्रेन के खिलाफ लगातार आक्रामक रुख अपनाता जा रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार रूस द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव में 12 धमाके किए गए हैं। इन सब के बीच यूक्रेन के राजदूत ने पीएम नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की गुजारिश की है। यूक्रेन के राजदूत ने कहा कि भारत के संबंध रूस से अच्छे हैं इसलिए पीएम मोदी से गुजारिश है कि वे रूस के साथ बात कर इस तबाही को रोक दें।

सचिन पायलट ने महराजगंज में किया रोड शो

महाराजगंज। कांग्रेस के स्टार प्रचारक और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि यूपी में चार चरण के मतदान के बाद डबल इंजन की सरकार का लखनऊ में इंजन सीज हो गया है। बदलाव की हवा चल रही है। प्रदेश से भाजपा सरकार का जाना तय है। वे गुरुवार को पनियरा विधानसभा के सिसवा मुंशी से रोड शो और सिसवा मुंशी और फरेंदा में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पायलट ने कहा कि आठ साल केंद्र और पांच साल प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दौरान महंगाई आसमान छूने लगी रही है। बेरोजगारी चरम पर है और युवा रोजगार के लिए मारे-मारे भटक रहे हैं।

हिजाब विवाद के पीछे है कट्टरपंथी संगठन?

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी सीएफआई की जानकारी

बेंगलूरू। हिजाब विवाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (उक्ष्क) की भूमिका के बारे में पूरी जानकारी मांगी है। हाई कोर्ट ने यह आदेश तब दिया है जब कि वरिष्ठ वकील एसएस नागानंद ने सरकारी कॉलेज की तरफ से कोर्ट में कहा कि हिजाब का यह प्रकरण सीएफआई से जुड़ी कुछ छात्राओं ने शुरू किया था। ऐडवोकेट जनरल ने कहा है कि सीएफआई के बारे में सेरी जानकारी लिफाफे में कैद है और जल्द ही कोर्ट को सौंप दी जाएगी। बता दें कि कॉलेज के प्रिंसिपल से हिजाब पहनकर क्लास अटेंड करने की इजाजत मांगने के बाद 6 लड़कियां सीएफआई की एक न्यूज कॉन्फ्रेंस में शामिल हुई थी जो कि उडुपी में आयोजित की गई थी। कॉलेज के प्रिंसिपल की तरफ से पेश वकील ने कहा कि लड़कियों ने कॉलेज कैंपस में हिजाब पहन रखा था लेकिन क्लास में जाकर इसे उतार दिया था। कॉलेज के वकील ने कहा, 'इंस्टिट्यूट में हिजाब पहनने या न पहनने को लेकर कोई नियम नहीं बनाया गया था लेकिन पिछले 35 साल से कोई क्लास में हिजाब नहीं पहन रहा था। इसके लिए जिन छात्राओं ने मांग की है उनका संबंध बाहर के किसी संगठन से है और उनके कहने पर ही ऐसा किया गया है।' चीफ जस्टिस अवस्थी ने कहा कि इस मामले में सीएफआई की क्या भूमिका है? वकील ने जवाब दिया, विरोध प्रदर्शनों के आयोजन के लिए यह संगठन काम कर रहा था। यह संगठन स्टूडेंट्स के नाम पर ऐसे मुद्दे उठाता रहता है। हिजाब के मामले में भी इसने छात्राओं का पक्ष लिया। एक दूसरे वकील ने कहा कि यह एक कट्टरपंथी संगठन है और कॉलेज इसको मान्यता नहीं देता है।

यूपी के राजनेता वोट पाने के लिए जाति-धर्म पर निर्भर, प्रदर्शन पर नहीं : प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में जाति और धर्म पर ज्यादा जोर होने से राजनेता बेफिक्र हो गए हैं और वे असल मुद्दों को दरकिनार कर रहे हैं। प्रियंका ने माना कि यूपी में पिछले कुछ दशकों में कांग्रेस संगठन कमजोर हुआ है, लेकिन पार्टी ने इसे दोबारा खड़ा करने और जनता के साथ फिर से जुड़ने के लिए कड़ी मेहनत की है। 1989 से उत्तर प्रदेश की राजनीति में जाति और धर्म के वर्चस्व से जुड़े एक सवाल पर प्रियंका ने कहा, ह्लयह सही है कि यूपी की राजनीति जाति और धर्म पर केंद्रित हो गई है, लेकिन हकीकत यह है कि इस तरह की राजनीति ने राज्य के विकास में कोई योगदान नहीं दिया है। इसने न केवल राज्य को पीछे धकेला है, बल्कि राजनीतिक वर्ग को बेफिक्र भी बनाया है।ह्व कांग्रेस महासचिव ने कहा, ह्लयूपी का औसत राजनेता मानता है कि उसे वैसे भी धर्म और जाति के आधार पर वोट मिल जाएंगे, ऐसे में उसे दूसरे मोर्चों पर प्रदर्श करने की जरूरत ही क्या है? वह जनता से जुड़े असल मुद्दों को आसानी से दरकिनार कर सकता है। यह लोकतंत्र में विकसित हो रही बहुत ही अस्वस्थ प्रवृत्ति है।ह्व प्रियंका ने उन्हें भेजे गए सवालों के लिखित जवाब में कहा, ह्लइसका यह मतलब है कि विकास, सुशासन और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दे पीछे छूट जाते हैं, क्योंकि जाति और धर्म से जुड़ी भावनाएं राजनीति पर हावी हैं।

सीएम योगी की हुंकार

जुमार्ना भरते-भरते बीत जाएंगी दंगाइयों की पांच पीढ़ियां

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पूर्ववर्ती सरकार के शासन में त्योहारों से पहले दंगे शुरू हो जाते थे, लेकिन अब फसाद करने वाले लोग डरे-सहमे हुए हैं कि अगर वे ऐसी कोई हरकत करेंगे तो जुमार्ना भरते-भरते उनकी पांच पीढ़ियां बीत जाएंगी। योगी ने रामनगर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी शरद अवस्थी के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पहले त्योहरों के पहले दंगे शुरू हो जाते थे। अब दंगा करने वाले डरे-सहमे हुए हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर दंगा करेंगे तो उनके पोस्टर चौराहों पर चस्पा हो जाएंगे और जुमार्ना भरते-भरते उनकी पांच पीढ़ियां बीत जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में आस्था के साथ खिलवाड़ करने का साहस कोई नहीं कर पाया और आज कोई भी व्यक्ति न तो कावड़ यात्रा रोक सकता है, न ही मां दुर्गा की पूजा।

शाह ने कहा, योगी सरकार में दूरबीन लेकर भी बाहुबली दिखाई नहीं पड़ता

यहां हर जगह बजरंगबली हैं

बहराइच। देश के गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह आज चुनाव प्रचार के लिए बहराइच पहुंचे थे जहां उन्होंने योगी आदित्यनाथ की सरकार की जमकर प्रशंसा की। अमित शाह ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने ऐसे शासन को चलाया है कि दूरबीन लेकर भी कोई बाहुबली दिखाई नहीं पड़ता है, अब हर जगह बजरंगबली ही दिखाई पड़ते हैं। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 4 चरणों के मतदान हो चुके हैं जबकि अब भी तीन चरण के चुनाव होने हैं। पांचवें चरण की वोटिंग 27 फरवरी को होनी है। इसको लेकर चुनाव प्रचार फिलहाल चरम पर है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि 2014 के चुनाव में भाजपा को आपने जिताया, 2017 और 2019 में भी जिताया। ये अखिलेश यादव निर्मल गेंदबाज है, अब फुलटॉस डाल दिया है, अब कैसरगंज वालों को उस पर बाउंड्री लगानी है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में सपा बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। 300 से ज्यादा सीटों के साथ भाजपा की जीत की नींव चार चरणों ने डाली है, पांचवे चरण वालों को इस मजबूत नींव पर मजबूत इमारत बनाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि 2017 में हमने कहा था कि उत्तर प्रदेश में हम कानून व्यवस्था को ठीक करेंगे। योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद हमने चुन-चुनकर माफियाराज को समाप्त किया है। आज आजम खान, अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी ये सब जेल में हैं। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण के ढ़ेर सारे काम यहां पर किये हैं। उत्तर प्रदेश में 1.67 करोड़ माताओं को गैस का सिलेंडर मुफ्त देने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 2.61 करोड़ घरों में शौचालय बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। गृह मंत्री ने कहा कि 1.41 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई है। समाजवादी पार्टी की सरकार में कभी आपके यहां 24 घन्टे बिजली आती थी क्या? भाजपा की सरकार बनने के बाद अब आपके यहां 20 से 24 घन्टे बिजली आती है। 42 लाख लोगों के घर बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। यूपी के 2.45 करोड़ किसानों को प्रति साल 6 हजार रुपये सीधे उनके खातों में भेजे गए हैं। केन बेतवा लाल बहादुर शास्त्री जी के जमाने से चर्चा में थी, मगर समाप्त नहीं होती थी। 44 हजार करोड़ रुपये देकर केन बेतवा योजना को पूरा करने का काम भाजपा की सरकार ने किया है।

नवाब मलिक: बेटी नीलोफर को है यकीन बाहर आएंगे पिता

बोली: यह न्याय की लड़ाई और हम लड़ेंगे

मुम्बई। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद उनकी बेटी नीलोफर मलिक ने कहा है कि यह न्याय की लड़ाई है और इसे हम लड़ेंगे। मुझे यकीन है कि मेरे पिता बाहर आएंगे। नीलोफर ने कहा कि हर मुसलमान जो एक्टिविस्ट की तरह सार्वजनिक रूप से काम करता है, कुछ लोग उसे डी-कंपनी से जोड़ देते हैं। ये हम सलमानों के लिए गलत है। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि शेरनी के पंजे निकालने का समय आ गया है। उन्होंने अपने अगले ट्वीट में लिखा कि हम पिछले 2-3 महीनों से सुन रहे हैं कि ईडी आएगी। हमारे पिता ने हमें सावधान रहने के लिए कहा था। हमने सब कुछ ठीक किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे पिता निडर होकर बोलते हैं इसलिए ईडी और एनसीबी हमारे पीछे हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की थी। जांच एजेंसी ने बुधवार तड़के ही दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में उनके घर पर छापा मारा और इसके बाद सात बजे ईडी उन्हें अपने साथ पूछताछ के लिए ले गई। तकरीबन छह घंटे तक चली पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले में नवाब मलिक 3 मार्च तक ईडी की हिरासत में रहेंगे। नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद एनसीपी सुप्रीमों शरद पवार ने उनके बचाव में कहा था कि मलिक को इसलिए परेशान किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज बुलंद की है। पवार ने कहा कि हमें आशंका थी कि इस प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है क्योंकि मलिक खुल कर बोलते हैं। पवार ने कहा कि सीधी सी बात है। अगर कोई मुस्लिम कार्यकर्ता होता है तो उसे दाऊद इब्राहिम से जोड़ दिया जाता हैं। जबकि उसका अंडरवर्ल्ड से कोई संबंध नहीं होता लेकिन ऐसा किया जाता है। नवाब मलिक की गिरफ़्तारी पर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि दाऊद जैसे देश के दुश्मन को मदद जिसके माध्यम से हुई उसको और उनका मंत्री पद बचाने के लिए पूरी सरकार (महाराष्ट्र सरकार) उनके पीछे खड़ी है, इसका देश को जवाब इस सरकार को देना पड़ेगा।

सुविचार

विफलता परिश्रम छोड़ देने का नतीजा है - एफ. जी. जॉयनर

संपादकीय

चौथे चरण के बाद

उत्तर प्रदेश में चुनावी कारवां ने अपनी आधी से अधिक राह पार कर ली है। गोवा, उत्तराखंड, पंजाब वगैरह में तो विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी भी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में सात चरणों में मतदान होना था, इसलिए वहां यह प्रक्रिया अभी एक पखवाड़े तक और चलेगी। मणिपुर में अभी मतदान की प्रकिया नहीं शुरू हुई है। वहां दो चरणों में मतदान होना है, जिसका पहला चरण इस महीने के आखिरी दिन शुरू होगा। बुधवार को उत्तर प्रदेश के चौथे चरण के मतदान के साथ ही विधानसभा की आधी से अधिक सीटों के लिए उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज हो चुका है। चौथे चरण में प्रदेश के नौ जिलों की जिन 59 सीटों के लिए मतदान हुआ, इनमें से 50 सीटें पिछली बार भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थीं। इसलिए भाजपा के सामने चुनौती इस बार इसी जमीन को बचाने की थी। जबकि विपक्ष को पता था कि अगर सत्ता के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करनी है, तो वह चौथा चरण ही है, जहां उसे सबसे बड़ा मौका मिला है। जब दांव इतने बड़े हों, तो राजनीतिक हलचल तेज होनी ही थी। हालांकि, राजनीतिक दलों की सक्रियता का जनता पर प्रभाव बहुत ज्यादा देखने में नहीं आ रहा है। यह लगातार दिखाई दे रहा है कि बहुत-सी जगहों पर मतदान का प्रतिशत पिछली बार से कम रहा है और जहां वह ज्यादा भी रहा है, वहां भी कोई अप्रत्याशित वृद्धि नहीं दिखाई दी है। चौथे चरण का मतदान जिन-जिन क्षेत्रों में हुआ है, वहां तक पहुंचते-पहुंचते इस विधानसभा चुनाव का नैरेटिव काफी बदल गया है। पहले चरण का चुनाव जहां से शुरू हुआ था, वहां से अब हम जहां पहुंच चुके हैं, वहां का भूगोल भी काफी अलग है और मुद्दे भी काफी बदल गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अवध क्षेत्र तक पहुंचते-पहुंचते आबादी का राजनीतिक मिजाज काफी बदल जाता है। पहले चरण का मतदान जिस क्षेत्र में हुआ था, वह सीधे-सीधे किसान आंदोलन के प्रभाव वाला इलाका था। मगर अब जहां चुनाव हो रहे हैं, वहां यह प्रभाव तकरीबन नहीं ही है। चौथे चरण के पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जिले ही इसका अपवाद हैं। लखीमपुर खीरी में तो एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी हो गई थी, जिसका इस चुनाव के नतीजों पर असर दिख सकता है। इन दो जिलों को छोड़ दें, तो बाकी जिन सात जिलों में मतदान हो रहा है, उनके रंग काफी अलग हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कोई एक वोटर वर्ग बहुत ज्यादा प्रभावी नहीं है और इसी तथ्य ने यहां के चुनाव को काफी दिलचस्प बना दिया है। एक और फर्क यह पड़ा है कि जब पहले चरण के चुनाव हो रहे थे, तब कोविड की तीसरी लहर की आशंका सभी को परेशान कर रही थी। खतरे को देखते हुए तमाम तरह की पाबंदियां थीं और बड़ी रैलियों पर तो पूरी तरह रोक ही थी। अब जब तीसरी लहर उतार पर है, तो इनमें से बहुत सारी पाबंदियां हटा ली गई हैं। हालांकि, इससे एक गड़बड़ जरूर हुई है कि लोगों ने सावधानी बरतनी बंद कर दी है। लोग मास्क लगाने या सामाजिक दूरी का ध्यान रखने जैसी सावधानियां नहीं बरत रहे, इसे किसी भी दल की चुनावी रैली में देखा जा सकता है। पहले जैसी पाबंदियों की जरूरत भले ही न हो, लेकिन चुनाव आयोग को सावधानियों के लिए तो दबाव बनाना ही चाहिए।

आज के कार्टुन

ईश्वर की समीपता

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर हमारे सबसे अधिक समीप है। संसार का कोई पदार्थ या व्यक्ति जितना समीप हो सकता है, उसकी अपेक्षा ईश्वर की निकटता और भी अधिक है। वह हमारी सांस के साथ प्रवेश करता है और समस्त अंग-अवयवों में प्राणवायु के रूप में जीवन का अनुदान प्रतिक्षण प्रदान करता है। यदि इसमें क्षणभर का भी व्यवधान उत्पन्न हो जाय तो मरण निश्चित है। संभावित सोलह हजार नाड़ियों के साथ वही कृष्ण रमण करता है। मांसपेशियों के आकुंचन-प्रकुंचन में गुदगुदी उसी के द्वारा उत्पन्न की जाती है। अन्तःकरण में उसी का गीता प्रवचन निरन्तर चलता है। ज्ञान-विज्ञान की विशालकाय पाठशाला उसी ने हमारे मस्तिष्क में चला रखी है। जीवकोषों के भीतर चलने वाली गतिविधियों का सूक्ष्म उपकरणों से निरीक्षण किया जाए, तो पता लगेगा कि समस्त ब्रह्माण्ड के विशाल परिकर में जो हलचलें हो रही हैं, वे सभी बीज रूप से इन नन्हीं सी कोशिकाओं में गतिशील हैं। 'जो ब्रह्माण्ड में, सो पिण्ड में' वाली उक्ति अब किंवदंती नहीं रही। अब उसकी पुष्टि एक सुनिश्चित सच्चाई के रूप में हो चुकी है। मनुष्य का व्यक्तित्व वस्तुतः विराट् ब्रह्मा का एक संक्षिप्त संस्करण है। पर वह मनुष्य का शरीर धारण करके अवतार लेता रहता है, यह सत्य है। इसी प्रकार यह भी एक स्वतःसिद्ध सच्चाई है कि मनुष्य अपने चरम विकास की स्थिति में पहुंचकर परमेर बन सकता है। मानवी संरचना कुछ है ही ऐसी अद्भुत की उसमें ईश्वर की समग्र सत्ता की अनुभूति कर सकना सर्वथा सम्भव है। इतना सब होते हुए भी हम ईश्वर से अरबों-खरबों मील दूर हैं। उसकी समीपता की अनुभूति के साथ-साथ जिस परम सन्तोष और परम आनन्द का अनुभव होना चाहिए, वह कभी हुआ ही नहीं। ईश्वर की समीपता को जीवन मुक्ति भी कहते हैं। उस स्थिति को सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य, सयुज्य, इन चार रूपों में वर्णन किया गया है। ईश्वर के लोक में रहना, उसके समीप रहना, उस जैसा रूप होना, उसमें समाविष्ट हो जाना, यह चारों ही अवस्थाएं उस स्थिति की ओर संकेत करती हैं, जिसमें मनुष्य की भीतरी चेतना और बाहरी क्रिया उतनी उत्कृष्ट बन जाती है जितनी कि ईश्वर की होती है। अपनी चेतना सत्ता को ईश्वरीय चेतना में घुला देने में किसे कितनी सफलता मिली, इसका परिचय उसके चिन्तन और कर्तृत्व का स्तर परख कर सहज ही प्राप्त किया जा सकता है।

जन सुविधा व संस्कृति का संवर्धन

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भारत प्राचीन काल से सांस्कृतिक व भौतिक रूप में समृद्ध रहा है। विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में इस विरासत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों व स्थलों को नष्ट करने के अनगिनत प्रयास किये गए। इसके बावजूद भारतीय संस्कृति का प्रवाह कायम रहा। आजादी के बाद इसके संरक्षण व संवर्धन की आवश्यकता थी। किन्तु इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद स्थितियों में बड़ा बदलाव हुआ। जिन विषयों को साम्प्रदायिक मानकर नजरअंदाज किया गया था, उनके प्रति स्थापित नजरिये को बदलने में सफलता मिली। यह माना गया कि ऐसी सभी समस्याओं का समाधान करना वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है। जिससे भावी पीढ़ी को समस्या मुक्त भारत विरासत में मिले। पिछली सरकारें इस जिम्मेदारी से भागती रही। समाधान की बात तो दूर, उन्हें इन विषयों पर चर्चा करना तक मंजूर नहीं थी। उन्होंने ऐसे विषयों को वोटबैंक राजनीति से जोड़ दिया था। जो पार्टी इन्हें उठाये उन्हें साम्प्रदायिक घोषित कर दिया गया। यथास्थिति के समर्थक स्वयंभू सेक्युलर हो गए। भाजपा ने अयोध्या में श्री राममंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 की समाप्ति को राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक चेतना का विषय माना। इसलिए उसे साम्प्रदायिक घोषित कर दिया गया। किंतु भाजपा इन आरोपों से विचलित नहीं हुई। इन मुद्दों को उसने छोड़ा नहीं। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा सरकार बनी थी लेकिन गठबंधन सरकार में चौबीस पार्टियां शामिल थीं। भाजपा चाह कर भी इन समस्याओं के समाधान की दिशा में बढ़ नहीं सकी। नरेंद्र मोदी को बहुमत से सरकार चलाने का जनादेश मिला। उन्होंने यह प्रमाणित किया कि यह विषय साम्प्रदायिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय है। इनका समाधान राष्ट्रीय दायित्व है। सरकार इसके निर्वाह से पीछे नहीं हटेगी। दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इन समस्याओं का समाधान किया गया। दूसरी तरफ कांग्रेस व अन्य क्षेत्रीय दल वोटबैंक सियासत में सिमटे रहे। भाजपा ने अपना वादा और दायित्व निभाया। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। भव्य श्री काशी विश्वनाथधाम का सपना भी साकार हुआ। अस्थाई अनुच्छेद 370 व 35 ए को समाप्त किया गया। मुस्लिम महिलाओं को कुप्रथा से मुक्ति दिलाने हेतु तीन तलाक को प्रतिबंधित किया गया। पहले इसकी चर्चा भी संभव नहीं थी क्योंकि इसे भी साम्प्रदायिक माना गया था। मतलब सेक्युलर सियासत के दावेदारों के लिए मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की जगह वोटबैंक की सियासत का महत्व था। नरेन्द्र मोदी सरकार ने समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया। वर्तमान सरकार ने अपने को केवल सांस्कृतिक चेतना तक सीमित नहीं रखा। बल्कि भारत को आर्थिक रूप से भी मजबूत बनाने का प्रयास किया। आत्मनिर्भर भारत अभियान इसके अनुरूप है। वंचित वर्ग के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की व्यापक कार्य योजना पर अमल किया जा रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर महीने में दो बार राशन प्रदान कर रही है। दोनों सरकार गरीबों के प्रति समर्पित है। गरीबों को आवास, बिजली, गैस कनेक्शन दिया गया। उनका जीवन आसान बनाया जा रहा है। रीबों के लिए 45 लाख पक्के मकान बनाए गए हैं। वहां फ्री बिजली कनेक्शन दिया गया। उस पक्के मकान की रसोई में उज्ज्वला का फ्री गैस कनेक्शन दिया है। छह करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत के अंतर्गत पांच लाख रुपये की बीमा सुरक्षा दी गई। ढाई करोड़ से ज्यादा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जोड़ा गया। उनके खाते में छह हजार रुपए पहुंच रहे हैं। इसके बीच में कोई बिचौलिया या दलाल नहीं है। ग्राम प्रधानों के जरिए श्रमिकों के कार्ड बने हैं और उनकी मजदूरी सीधे उनके खातों में जाती है। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ का कोई निहित स्वार्थ नहीं है। यह साफ-सुथरी सरकार है। नरेंद्र मोदी ने बीस साल से कोई छुट्टी नहीं ली है। अनवरत देश सेवा में लगे हैं। योगी मानते हैं कि संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा है। वे कहते हैं कि कांग्रेस वाले एक्सीडेंटल हिन्दू हैं लेकिन हम अपने को गर्व से हिन्दू कहते हैं। सरकार बनने पर पुरोहित कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। सरकार गौमाता और किसानों की फसल दोनों की रक्षा करेगी। सपा के कार्यकाल में सात सौ से अधिक दंगे, बसपा में साढ़े तीन सौ से अधिक दंगे हुए। आज दंगे नहीं होते हैं। दंगाईयों को मालूम है कि पीढ़ियां दंगों की प्रतिपूर्ति करते थक जाएंगी। पहले बिजली को भी जाति से जोड़ा जाता था। सपा सरकार में ईद बकरीद पर बिजली आती थी। होली-दीवाली पर नहीं। आज बिना भेदभाव सबको बिजली मिल रही है। सरकार ने नौजवानों को स्मार्ट बनाने के लिए टैबलेट स्मार्टफोन बांटे हैं। सरकार बनने पर प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन टैबलेट दिए जाएंगे। योगी आदित्यनाथ अहमदाबाद आतंकी ब्लास्ट पर हुए कोर्ट के निर्णय का उल्लेख कर रहे थे। उनका कहना है कि जिन्हें सजा मिली उनमें आजमगढ़ का भी व्यक्ति शामिल है। उसका पिता सपा के लिए प्रचार कर रहा है। कांग्रेस की भी आतंकियों के प्रति सहानुभूति दिखाई देती रही है। उधर, कवि कुमार विश्वास ने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अलगाववादियों से सहयोग लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अरविंद केजरीवाल अलगाववादियों से मदद लेकर पंजाब की सत्ता पर काबिज होना चाहते हैं। इन आरोपों की जांच के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। इस पत्र का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा है कि आपके पत्र के अनुसार एक राजनीतिक पार्टी का देश विरोधी, अलगाववादी एवं प्रतिबंधित संस्था से संपर्क रखना और चुनाव में सहयोग प्राप्त करना देश की एकता एवं अखंडता के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर है। इस प्रकार के तत्वों का एजेंडा देश के दुश्मनों के एजेंडे से अलग नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है कि सत्ता पाने के लिए ऐसे लोग अलगाववादियों से हाथ मिलाने से लेकर पंजाब और देश को तोड़ने की सीमा तक जा सकते हैं। भारत सरकार ने इसे अत्यन्त गंभीरता से लिया है और वह स्वयं इस मामले को गहराई से दिखवायेंगे। भाजपा का कहना है कि यह उसके लिए वोटबैंक की राजनीति नहीं है। बल्कि राष्ट्रीय हित व सुरक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इस भावना के अनुरूप ही भाजपा का संगठन व सरकार काम करते रहेंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश लगाने का वक्त

ज्ञानेन्द्र रावत

वैज्ञानिक तो बरसों से चेता रहे हैं कि समूची दुनिया के ग्लेशियर लगातार पिघलकर खत्म होते जा रहे हैं। दुनिया की सबसे ऊंची माउंट एवरेस्ट पर्वत शृंखला बीते 5 दशकों से लगातार गर्म हो रही है। इससे आस-पास के हिमखंड तेजी से पिघल रहे हैं। हिमालय के तकरीबन साढ़े छह सौ से अधिक ग्लेशियरों की पिघलने की रफ्तार दोगुनी हो गई है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ अर्थ के अध्ययन ने खुलासा किया है कि भारत, नेपाल, भूटान और चीन में तकरीबन दो हजार किलोमीटर इलाके के 650 से ज्यादा ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग के चलते लगातार पिघल रहे हैं। साल 1975 से 2000 के बीच जो ग्लेशियर हर साल दस इंच की दर से पिघल रहे थे, अब वे 2000 से हर साल बीस इंच की दर से पिघलने लगे हैं। इसलिए हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के व्यापक अध्ययन के साथ-साथ यहां पर्यटन की गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना बेहद जरूरी है। आजकल देश में हिमालयी पर्वत माला के उत्तर के लद्दाख अंचल में पर्यटन की दृष्टि से प्रसिद्ध पैंगोंग इलाके में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने से इस इलाके में संकट के बादल मंडराने लगे हैं। यहां कश्मीर यूनिवर्सिटी के जियोइनफॉर्मेटिक्स डिपार्टमेंट के अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन तो अहम कारण है ही, चीन द्वारा पैंगोंग इलाके में झील पर पुल व अन्य निर्माण भी एक अहम समस्या है। अहम सवाल यह है कि यह इलाका ग्लेशियरों से केवल छह किलोमीटर दूर है। इसलिए इस संवेदनशील पर्वतीय इलाके में मानवीय गतिविधियों पर रोक बेहद जरूरी हो गयी है। यदि इस पर अंकुश नहीं लगा तो ग्लेशियर तो सिकुड़ेंगे ही, यहां की मिट्टी में नमी कम हो जायेगी, इससे कृषि के साथ-साथ वनस्पति भी प्रभावित होगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के इस इलाके में कुल मिलाकर 12,000 के करीब ग्लेशियर हैं। ये ग्लेशियर करीब 2000 हिमनद झीलों का निर्माण करते हैं। इनमें से 200 में पानी बढ़ने से फटने की आशंका है। यदि ऐसा हुआ तो उत्तराखंड जैसी त्रासदी की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। पैंगोंग झील का 45 किलोमीटर का इलाका भारतीय क्षेत्र में आता है। विशेषज्ञों की चिंता का सबब यही है कि ग्लेशियरों को पिघलने से रोकने की खातिर इस संवेदनशील इलाके में ईंधन से चलने वाले वाहनों पर तत्काल रोक लगाई जाये। ट्रांस हिमालयन लद्दाख के पैंगोंग इलाके में भारतीय सीमा में आने वाले इन 87 ग्लेशियरों में 1990 के बाद आयी कमी के शोध-अध्ययन, जो जर्नल फ्रंटियर इन अर्थ साइंस में प्रकाशित हुआ है, के मुताबिक इस इलाके में स्थित 87 ग्लेशियर हर साल 0.23 फीसदी की दर से पिघल कर सिकुड़ते जा रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंतनीय बात है कि यह इलाका भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील है। फिर इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि ग्लेशियरों के पिघलने से झीलों में पानी बढ़ेगा। उस हालत में उनमें सीमा से अधिक पानी होने से वह किनारों को तोड़कर बाहर निकलेगा। दूसरे शब्दों में झीलें फटेंगी। उस दशा में पानी सैलाब की शक्ल में तेजी से बहेगा। नतीजन आसपास के गांव-कस्बे खतरे में पड़ जायेंगे। आईपीसीसी चेता चुकी है कि हिमालय के सभी ग्लेशियर साल 2035 तक ग्लोबल वार्मिंग के चलते खत्म हो जायेंगे। मौजूदा हालात गवाह हैं कि हिमालय के कुल 9600 के करीब ग्लेशियरों में से तकरीबन 75 फीसदी ग्लेशियर पिघल कर झरने और झीलों का रूप अख्तियार कर चुके हैं। यह सब हिमालयी क्षेत्र में तापमान में तेजी से हो रहे बदलाव के साथ अनियोजित और अनियंत्रित विकास का परिणाम है। इसमें हिमालय के जंगलों में लगी आग की घातक भूमिका है। इससे

निकले धुएं और कार्बन से ग्लेशियरों पर एक महीन-सी काली परत पड़ रही है। वहीं गर्म हवाओं के कारण इस क्षेत्र की जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह बेचैन कर देने वाली स्थिति है। दरअसल जलवायु परिवर्तन के अलावा मानवीय गतिविधियां और जरूरत से ज्यादा दोहन भी ग्लेशियरों के पिघलने का एक बड़ा कारण है। वैज्ञानिक डॉ. डीपी डोभाल कहते हैं कि यदि तापमान और मानवीय गतिविधियां इसी तरह बढ़ती रहीं तो हिमालय के एक-तिहाई ग्लेशियरों पर मंडराते संकट को नकारा नहीं जा सकता। इससे पहाड़ी, मैदानी इलाके के 30 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। निश्चित है कि मानव जीवन, कृषि उत्पादन पर तो विपरीत प्रभाव पड़ेगा ही, पेयजल संकट, बाढ़ तथा जानलेवा बीमारियों जैसी समस्याएं सुरसा के मुंह की तरह बढ़ जायेंगी। ग्लेशियरों से निकलने वाली हमारी जीवनदायिनी नदियों पर भारत, चीन, नेपाल और भूटान की कमोबेश 80 करोड़ आबादी निर्भर है। इन नदियों से सिंचाई, पेयजल और बिजली का उत्पादन होता है। यदि ये पिघले तो सारे संसाधन खत्म हो जायेंगे। इसलिए बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन से प्राथमिकता के आधार पर लड़ना बेहद जरूरी है।

सू-दोकू नवताल -2053

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू 2052 का हल

8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2053

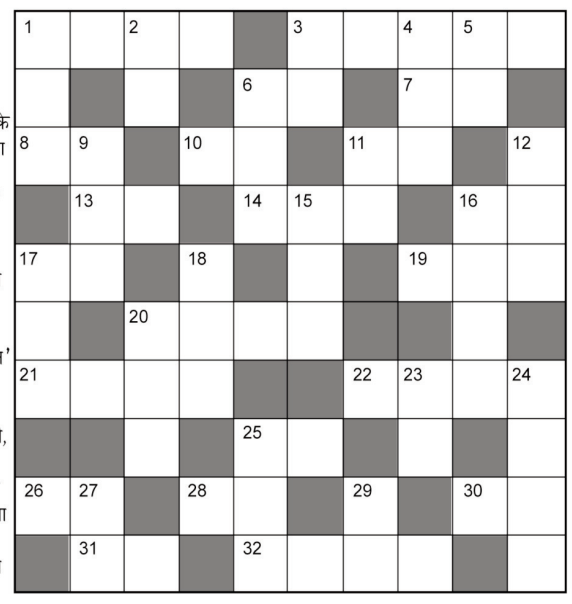

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-5
6. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-2
7. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
8. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-2
10. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-2
11. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-3
20. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
21. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-4
22. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-4
25. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
26. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-2
30. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-2
31. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-2
32. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-4

ऊपर से नीचेः-

1. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-3
2. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-2
4. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
5. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-2
6. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-3
9. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
11. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-2
12. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-3
15. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-1,2
16. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-4
17. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-3
18. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-3
20. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-3
23. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
25. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-3
27. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-2
29. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2052

क्रि	मि	न	ल	■	प	र	व	रि	श
श	■	ती	■	डो	र	■	र	■	मा
■	अ	जा	म	■	दे	व	दा	स	■
का	श	■	ह	व	स	■	न	म	क
ला	■	ला	ल	च	■	अ	■	झो	■
पा	य	ल	■	न	सी	म	■	ता	ल
नी	■	कि	ला	■	आ	ला	प	■	ड़ा
■	त	ला	श	■	ई	■	रि	हा	ई
तु	म	■	■	मं	डी	■	णी	■	■
■	ना	■	रा	जू	■	गी	ता	बा	ली

रियलमी करेगी सबसे तेज स्मार्टफोन चार्जिंग टेक्नोलॉजी लॉन्च

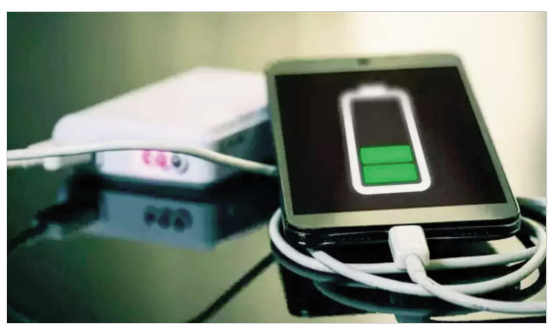

नई दिल्ली ।

चाइनीज स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी कंपनी ने ऐलान कर दिया है कि वो मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2022 में दुनिया की सबसे तेज स्मार्टफोन चार्जिंग टेक्नोलॉजी को लॉन्च करने वाली है।125 डब्ल्यू फ्लैश चार्जिंग टेक्नोलॉजी लॉन्च करने वाले पहले ब्रांडों में अपनी जगह बनाने वाला रियलमी कटिंग-एज चार्जिंग तकनीक में अपने आप को टॉप पोजिशन पर ले आया है। ऐसे में एमडब्ल्यूसी 2022 में दुनिया की सबसे तेज स्मार्टफोन चार्जिंग टेक्नोलॉजी को लॉन्च करके रियलमी भविष्य की ओर कदम बढ़ा रही है । बता दें कि रियलमी की फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी एक ही सेगमेंट में सीमिलर डिवाइसों की तुलना में सबसे आगे है ।

डिवाइसों की तुलना में सबसे आगे है सबसे बेस्ट है। अपनी गो प्रीमियम स्ट्रैटजी के तहत, रियलमी 70प्रतिशत आरएंडडी रिसोर्सेस का इंवेस्ट शानदार इनोवेशन को शुरू करने में करेगा, जिनमें से फास्ट-चार्जिंग टेक्नोलॉजी केइवाय कंपोनेंट है। इसके अलावा, रीयलमी एमडब्ल्यूसी 2022 में एक ही समय में यूरोपीय मार्केट में पहला स्नैपड्रैगन -8 जेन 1- वाला स्मार्टफोन, रीयलमी जीटी 2 प्रो लॉन्च करने की भी घोषणा करेगा। रियलमी का मानना है कि न्यू चार्जिंग टेक्नोलॉजी मौजूदा समस्याओं को खत्म कर देगी और यूजर्स को अपने स्मार्टफोन को बहुत कम समय में चार्ज करने की सुविधा देगी। यह सब जानते हैं कि रियलमी ने अपने यूजर्स को सबसे तेज और सबसे बेहतरीन चार्जिंग एक्सपीरियंस के साथ मजबूत बनाने में लगातार इंवेस्ट किया है।

एनबीएफसी सितंबर, 2025 तक बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान लागू करेंगी: आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान 30 सितंबर 2025 तक उपलब्ध कराने को कहा है। यह वैसे ही है जैसे बैंकों के लिए कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) की व्यवस्था है। इस व्यवस्था से एनबीएफसी के कामकाज का एकीकरण होगा और ग्राहकों को कहीं भी, किसी भी समय बेहतर तरीके से सेवा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा कि 10 और उससे अधिक सेवा केंद्रों वाली एनबीएफसी मिडल लेयर और एनबीएफसी अपर लेयर के अंतर्गत आने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अनिवार्य रूप से बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान (सीएफएसएस) उपलब्ध कराना होगा। आरबीआई ने कहा कि सीएफएसएस के तहत ग्राहकों को कहीं भी सुविधा के साथ उत्पादों और सेवाओं से संबंधित डिजिटल पेशकशों और लेनदेन की सुविधा दी जाएगी। यह व्यवस्था एनबीएफसी के कार्यों के एकीकरण करेगी। साथ ही यह केंद्रीकृत आंकड़ा और लेखा रिकॉर्ड प्रदान करेगा। इसके लिए समयसीमा 30 सितंबर, 2025 तय की गई है। यह व्यवस्था एनबीएफसी के कार्यों के एकीकरण करेगी। साथ ही यह केंद्रीकृत आंकड़ा और लेखा रिकॉर्ड प्रदान करेगा। इसके लिए समयसीमा 30 सितंबर, 2025 तय की गई है। हालांकि अपर लेयर वाली एनबीएफसी यह सुनिश्चित करेंगी कि सीएफएसएस कम-से-कम 70 प्रतिशत सेवा केंद्रों में 30 सितंबर, 2024 तक लागू हो। केंद्रीय बैंक के अनुसार 10 से कम सेवा केंद्रों वाली एनबीएफसी-बेस लेयर और एनबीएफसी मिडल और अपर लेयर के लिए सीएफएसएस लागू करना अनिवार्य नहीं है। हालांकि वे अपने लाभ के लिये इसे लागू कर सकती हैं।

कोरोना महामारी कि दौरान गरीबों की आय में 66 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के दौरान पिछले दो साल में देश के 66 फीसदी गरीबों की आय घट गई है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। यह सर्वे देश के 14 राज्यों में 6,697 गरीब परिवारों के बीच कराया गया। इनमें से 66 फीसदी ने कहा कि कोविड के पहले के दौर की तुलना में कोरोना काल में उनकी आय में गिरावट आई है। सर्वे के मुताबिक 60 फीसदी ने कहा कि कोरोना काल में उनकी इनकम पहले के मुकाबले आधी रह गई है। इसी तरह करीब 45 फीसदी का कहना है कि उन पर कर्ज है। इनमें से 21 फीसदी पर 50,000 रुपए से अधिक कर्ज है। यह सर्वे का दूसरा राउंड है। पहला सर्वे 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन के बाद किया गया था। उसमें 11 राज्यों के 3,994 परिवारों को शामिल किया गया था। सर्वे में शामिल छह फीसदी लोगों ने कहा कि उनके पास कोई रोजगार नहीं है। करीब 70 फीसदी का कहना था कि उनके परिवार की मंथली इनकम 7,000 रुपए के कम है। यह सर्वे दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच किया गया। इस सर्वे में फूड और डाइट को लेकर भी कुछ चिंताजनक बातें सामने आई हैं। इसमें से 79 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें खाने की कुछ कमी का सामना करना पड़ा जबकि 25 फीसदी ने कहा कि उन्हें खाने के लाले पड़ गए। सर्वे में हिस्सा लेने वाले लोगों में से 60 फीसदी से अधिक ने कहा कि उनके पास खाने के लिए पर्याप्त नहीं था, वे हेल्दी फूड नहीं खा सके या उन्हें केवल एक ही तरह का खाना मिला। सर्वे के मुताबिक 84 फीसदी परिवारों के पास राशन कार्ड था।

क्रिप्टोकरेंसी पर बढ़ा दबाव, बिटकॉइन और इथेरियम 6 फीसदी नुकसान पर

मुंबई ।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते क्रिप्टोकरेंसी मार्केट पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। दुनिया की सभी क्रिप्टोकरेंसीज में बड़ी गिरावट आ चुकी है। बिटकॉइन के एक बार फिर से अपने अपने ऑलटाइम हाई से 50 फीसदी कम होने की कगार पर पहुंच चुका है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी 6 फीसदी के नुकसान के साथ 35500 डॉलर से नीचे आ गई हैं। वहीं इथेरियम के दाम 2500 डॉलर से नीचे कारोबार कर रहा है। जबकि ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 5 फीसदी गिरकर 1.62 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 35500 डॉलर से नीचे आ गई है। गुरुवार को बिटकॉइन के दाम करीब 6 फीसदी कीर गिरावट के साथ 35498 डॉलर पर कारोबार कर रहा है।

जबकि एक हफ्ते में बिटकॉइन 20 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। जबकि इस साल बिटकॉइन करीब 25 फीसदी तक नीचे आ चुका है। जबकि एक हफ्ते में बिटकॉइन 20 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। जबकि इस साल बिटकॉइन करीब 25 फीसदी तक नीचे आ चुका है। जबकि यह करेंसी अपने ऑलटाइम हाई 69000 डॉलर से करीब 49 फीसदी नीचे है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरिसम की कीमत 6.50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है।

मौजूदा समय में इथेरियम 6.61 फीसदी की गिरावट के साथ 2442 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। जबकि बीते एक हफ्ते में इथेरियम 22 फीसदी तक नीचे गिर चुका है। इस बीच डॉगकोइन की कीमत 7 फीसदी कम होकर 0.12 डॉलर पर कारोबार कर रही थी जबकि शीबा इनु भी लगभग 5 फीसदी गिरकर . 0.000023 डॉलर हो गई। अन्य सिक्कों का प्रदर्शन भी गिर गया, सोलाना, एक्सआरपी, टेरा, कार्डानो, पॉलीगॉन, पोलकाडॉट की कीमतें 3-10 फीसदी तक की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

रिजर्व बैंक के रुख से क्रिप्टो विधेयक में हो सकती है देरी : पात्रा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक के क्रिप्टो करेंसी को लेकर रुख से सरकार के इस संपत्ति वर्ग के लिए प्रस्तावित कानून में देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणा के अनुरूप केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) 2020-23 में आएगी। देश इस मामले में धीरे-धीरे कदम बढ़ाएगा क्योंकि निजता तथा इसके मौद्रिक नीति पर प्रभाव को लेकर चिंता है। वित्त मंत्री ने एक फरवरी को अपने बजट भाषण में कहा था कि सीबीडीसी 2022-23 में जारी की जाएगी। सरकार की बिटकॉइन जैसे क्रिप्टो करेंसी के लिए 2021 के नवंबर-दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने का प्रस्ताव था, लेकिन इसे पेश नहीं किया जा सका। पुणे इंटरनेशनल सेंटर के एक कार्यक्रम में पात्रा ने कहा कि आरबीआई का क्रिप्टो को लेकर विचार दु निया को पता है। मुझे लगता है कि इसी विचार की वजह से इसको लेकर विधेयक लाने में विलंब हुआ है। हम इस पर विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे और सभी पहलुओं को देखेंगे। केंद्रीय बैंक क्रिप्टो करेंसी पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने के पक्ष में है। उसका कहना है कि इसका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है और इससे वित्तीय स्थिरता को खतरा है। सीबीडीसी के बारे में पात्रा ने कहा कि थोक मामले में इस प्रकार के उत्पाद हैं, लेकिन खुदरा क्षेत्र के लिए अभी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम इस पर धीरे-धीरे कदम बढ़ाएंगे। पात्रा ने कहा कि आरबीआई इस मामले में धीरे-धीरे कदम उठा रहा है और सोच-विचार कर निर्णय करेगा।

चालू वित्त वर्ष में 9.5 फीसदी रह सकती है भारत की वृद्धि दर: रे टिंग एजेंसी

नई दिल्ली । मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने गुरुवार को कहा कि उसने चालू वित्तीय वर्ष 2022 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 9.5 फीसदी और एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष के लिए इसे बढ़ाकर 8.4 फीसदी कर दिया है। साथ ही रेटिंग एजेंसी ने तेल की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति पक्ष की बाधाओं को वृद्धि की राह में बाधक बताया है। मूडीज ने एक बयान में कहा कि हमने भारत की वृद्धि के पूर्वानुमान कि वित्तीय वर्ष 2022 के लिए सात प्रतिशत से बढ़ाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है और 2023 में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को बरकरार रखा है। बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2022-23 में 8.4 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में 6.5 प्रतिशत वृद्धि दर रह सकती है। पिछले साल नवंबर में मूडीज ने वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की अर्थव्यवस्था के 7.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 9.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 9.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

सोना 51,000 के पार, चांदी भी तेज

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन संकट असर भारतीय सराफा बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। बाजारों में सोना-चांदी के दामों गुरुवार को जोरदार उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने में 1.42 फीसदी जोरदार तेजी आई है, जिसके बाद सोना 51,000 के पार चला गया है। वहीं चांदी की कीमत में भी तेजी दर्ज की गई है। चांदी के दाम 1.40 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं अप्रैल डिलीवरी वाले सोने की कीमत 1.42 फीसदी जोरदार तेजी के साथ 51,095 रुपए प्रति 10 ग्राम के लेवल पर है। वहीं चांदी 1.40 फीसदी की तेजी के साथ 65,490 रुपए प्रति किलोग्राम के लेवल पर ट्रेड कर रही है।

इंडियन ऑयल और डाबर ने किया समझौता

मुंबई । डाबर इंडिया और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत डाबर अपने उत्पादों की बिक्री इंडियन ऑयल के डिलिवरी कर्मियों के जरिये करेगी। इससे डाबर को अपने उत्पादों के लिए देश भर में करीब 14 करोड़ इंडेन रसोई गैस के उपभोक्ता परिवारों तक सीधी पहुंच सुनिश्चित होगी। इस करार के तहत इंडियन ऑयल के इंडेन एलपीजी वितरक डाबर के लिए खुदरा कारोबारी साझेदार बन जाएंगे और वे अपने डिलिवरी कर्मियों के नेटवर्क के जरिये सीधे इंडेन एलपीजी उपभोक्ता परिवारों को डाबर की पूरी उत्पाद श्रंखला की बिक्री करने में मदद करेंगे। डाबर ने कहा कि इंडियन ऑयल और डाबर द्वारा प्रौद्योगिकी एवं सिस्टम इंटीग्रेशन का काम किया जा रहा है ताकि पूरी मूल्य श्रृंखला और खास तौर पर इंडेन एलपीजी उपयोगकताओं तक उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इस पहल से डाबर को भारतीय परिवारों के बीच इंडियन ऑयल की पहुंच का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा ग्राहकों द्वारा सीधे तौर पर ऑर्डर देने के लिए एक ऐप भी तैयार किया जा रहा है। ग्राहक उस ऐप के जरिये ऑर्डर दे सकेंगे और डाबर इंडियन ऑयल के डिलिवरी कर्मियों के जरिये उत्पादों की आपूर्ति करेगी। डाबर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस साझेदारी से हम शहरी, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले इंडेन एलपीजी के लाखों ग्राहकों तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली ।

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने बुधवार को दावा किया कि 2030 तक भारत जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ देगा। इसके साथ ही भारत एशिया की दूसरी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन पुणे इंटरनेशनल सेंटर के कार्यक्रम एशिया इकोनॉमिक डॉयलॉग 2022 में एक चर्चा में भाग ले रहे थे। उनसे जब पूछा गया कि आने वाले समय में भारत और एशिया की क्या स्थिति रहने वाली है। इसका जवाब देते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि एशिया ने पिछली 2 सदियों के दौरान बुरा समय देखा है। अब एशिया का समय आ चुका है और 21वीं सदी एशिया की होगी। ग्लोबल इकोनॉमी का सेंटर एशिया शिफ्ट हो चुका है। एशिया की जीडीपी बाकी दुनिया से ज्यादा हो चुकी है। इंडियन इकोनॉमी के बारे में मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत की जीडीपी 2030 तक जापान से बड़ी हो जाएगी। इसके साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। चीन की ग्रोथ स्टोरी जितनी शानदार है, भारत की स्टोरी उससे कम शानदार नहीं होने वाली है। उन्होंने इसके लिए 3 टारगेट भी सेट किया। अंबानी ने कहा भारत को तीन चीजों पर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले भारत 10 फीसदी से ज्यादा के ग्रोथ रेट के लिए एनर्जी आउटपुट बढ़ाना होगा। उन्होंने दूसरा काम बताया कि भारत को एनर्जी बास्केट में क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी का शेयर बढ़ाना होगा। तीसरा और अंतिम काम आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने भरोसा जाहिर किया कि अगले 10-15 साल में भारत की कोयले पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। ग्रीन एनर्जी को अगले इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन के लिए जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा इस पर फोकस करना अहम है। मुकेश अंबानी ने इस दौरान अर्थ फ्रेंडली इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन टर्म भी उछाला। इसके बारे में विस्तार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यूनिवर्स में कोई प्लैनेट बी नहीं है। सिर्फ प्लैनेट अर्थ ही है, जहां जीवन है।

अभी तक के तीनों इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन ने अर्थ को नुकसान पहुंचाया है। इस कारण जरूरी है कि अब हम अर्थ फ्रेंडली इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन की ओर बढ़ें।

एलपीजी और सीएनजी के दाम भी 15 रुपए तक बढ़ सकते हैं, 8 साल बाद फिर 100 डॉलर के पार हुआ कच्चा तेल

नई दिल्ली।

रूस-यूक्रेन के बीच जंग का असर जल्द ही आपकी जेब पर भी देखने को मिलेगा। दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू होते ही कच्चे तेल के दाम 8 साल के हाई पर पहुंच गए हैं। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) के दाम 103 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे पहले 2014 में कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर के पार गए थे। इसके अलावा नैचुरल गैस की कीमत भी अब बढ़ने लगी है। इसके चलते आने वाले दिनों में के दाम भी 10 से 15 रुपए तक बढ़ सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित 5 राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर बड़ा झटका लग सकता है। विधान सभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आने हैं इसके बाद पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं। क्योंकि आमतौर देखा गया है कि तेल कंपनियां चुनाव के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाती हैं। टेक्सास की ऑयल कंपनी पायनियर नेचुरल रिसोर्सेज के स्कॉट शेफील्ड ने कहा- अगर पुतिन हमला करते हैं, तो कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, लेकिन अगर बाइडेन ईरान पर से प्रतिबंध हटाते हैं, तो इनमें 10 डॉलर की गिरावट होगी। फिलहाल मार्केट में जितनी मांग है उतनी आपूर्ति नहीं है, इस वजह से कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकल गया है। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है, ऐसे में युद्ध की स्थिति में सप्लाई लाइन बिगड़ने लगी है है इससे कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पार कर गई हैं। वहीं तेल कंपनियों ने 3 नवंबर से पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन तब से लेकर अब तक कच्चा तेल 20 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा महंगा हो गया है। इतना ही नहीं, आगे भी इसमें तेजी जारी रह सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 15 से 20 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र सरकार ने 3 नवंबर को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने की घोषणा की थी। अगले ही दिन देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई और कई राज्यों ने भी पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम किया। इससे आम आदमी को राहत मिली थी। इसके बाद से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। रुझान बताते हैं कि पिछले करीब साढ़े तीन महीने से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जबकि इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतों में काफी तेजी आई है। 3 नवंबर 2021 को कच्चे तेल का दाम 80 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 102 डॉलर यानी ढाई महीने के भीतर कच्चे तेल के दामों में 27त्न की तेजी आ चुकी है। तब से लेकर अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

यूक्रेन पर रूस का हमला, भारत और यूक्रेन के व्यापारिक संबंध पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। रूस ने यूक्रेन पर हमले की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिसका असर भारत और यूक्रेन के बीच व्यापारिक संबंधों पर भी पड़ सकता है। वित्त वर्ष 2018-19 में दोनों देशों की बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 2.8 अरब डॉलर का था। साथ ही बड़ी संख्या में भारतीय छात्र यूक्रेन के कॉलेजों में पढ़ रहे हैं। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स के मुताबिक भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में पिछले 25 साल में काफी तेजी आई है। वित्त वर्ष 2018-19 में यह करीब 2.8 अरब डॉलर था। एशिया-प्रशांत में यूक्रेन सबसे ज्यादा निर्यात भारत को ही करता है। यूक्रेन जिन देशों को सबसे ज्यादा निर्यात करता है, उनमें भारत पांचवें नंबर पर है। यूक्रेन से आयात होने वाले सामान में कृषि उत्पाद, मेटालर्जिकल प्रॉडक्ट्स, प्लास्टिक्स और पॉलीमर्स शामिल हैं। भारत यूक्रेन को दवा, मशीनरी, केमिकल्स, फूड प्रॉडक्ट्स आदि का निर्यात करता है। भारत की कई कंपनियों के यूक्रेन में ऑफिस हैं। इनमें डॉ रेड्डीज लैब और सन ग्रुप, आदि शामिल हैं। साथ ही भारत की बड़ी दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने यूक्रेन में इंडियन फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन इन यक्रेन नाम से एक संस्था भी बनाई है। हाल के वर्षों में भारत और यक्रेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में लगातार बढ़ोतरी हुई है। 2015-16 में भारत ने यूक्रेन को 259.11 मिलियन डॉलर का निर्यात किया था जो 2019-20 में बढ़कर 463.79 मिलियन डॉलर हो गया है। मिलियन डॉलर हो गया है। इसी तरह भारत ने 2019-20 में यूक्रेन से 2060.79 मिलियन डॉलर का सामान आयात किया था। दोनों देशों ने स्पेस, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, डिफेंस सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय समझौता किया है।

नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो जल्द ही लॉन्च होने वाली है, जिसका लुक और डिजाइन बिल्कुल नया होगा। इसके साथ ही यह साइज में मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा बड़ी और ढेर सारे नए फीचर्स से लैस होगी। नई मारुति ऑल्टो को हियरटेक्ट प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा, जिसपर एस-प्रेसो, सिलेरियो और वैगनआर जैसी हैचबैक बेस्ड है। इसमें बेहतर स्टील और सेफ्टी फीचर्स का खास खयाल रखा जाता है, ऐसे में नई ऑल्टो पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। अपकमिंग मारुति ऑल्टो को बिल्कुल फ्रेश डिजाइन और स्टाइल के साथ पेश किया जाएगा। नई ऑल्टो मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा बड़ी, चौड़ी और लंबी होगी। यह देखने में काफी अच्छी होगी, जिसमें लंबी ग्रिल, नया बंपर और ज्यादा बड़े टेलगेट के साथ ही नई हेडलाइट और टेललाइट्स दिखेंगी। 2022 मारुति ऑल्टो में मौजूदा मॉडल के मुकाबले बेहतर इंटीरियर और ढेर सारे नए फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसमें नया डैशबोर्ड और सेंट्रल कंसोल के साथ ही अपडेटेड टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, कीलेस एंट्री, इंजन स्टार्ट-स्टॉप बटन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी समेत कई खास खूबियां दिखेंगी। नई मारुति ऑल्टो को नए के10सी डूअलजेट 1.0 लीटर 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जो कि 67बीएचपी तक की पावर और 89 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही 796सीसी का 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन भी देखने को मिलेगा, जो कि 47बीएचपी की पावर और 69 एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। इस हैचबैक को मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों तरह के ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया जाएगा। मालूम हो कि भारत में सबसे ज्यादा कार बेचने वाली ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इस साल अपनी कई बेस्ट सेलिंग कारों को अपडेट करने वाली है और इन्हीं में से एक है कंपनी की सबसे सस्ती कार मारुति ऑल्टो।

कर कानून में अपवाद या छूट प्रावधान को उसकी मंशा के आधार पर ही समझा जाना चाहिए : न्यायालय

नयी दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि कर कानून में अपवाद और छूट के प्रावधान को उसकी भाषा और मंशा के अनुसार ही समझा जाना चाहिए और अदालत नीति में निर्धारित शर्तों और उसके संबंध में जारी अधिसूचनाओं की अनदेखी नहीं कर सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि छूट अधिसूचना को विधायी मंशा के अनुसार अर्थ दिया जाना चाहिए और ऐसे वैधानिक प्रावधानों की व्याख्या 'उसमें नियोजित शब्दों' के परिप्रेक्ष्य में जानी चाहिए। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्न की पीठ ने सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी), की प्रधान पीठ द्वारा पारित फैसले से उत्पन्न अपीलों के एक बैच को खारिज कर दिया। सीईएसटीएटी ने कहा था कि राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में स्थित अपीलकर्ता 'कृषि उपज मंडी समिति' 30 जून, 2012 तक की अवधि के लिए 'अचल संपत्ति के किराये' के तहत सेवा कर का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार थी। अपने 18-पृष्ठ के फैसले में पीठ ने कहा कि शीर्ष न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के अनुसार कर कानून में प्रावधान की सरल भाषा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह भाषा अर्थ को परिभाषित करने में सक्षम होनी चाहिए। पीठ ने कहा, ''कर कानून में अपवाद और/या छूट के प्रावधान को उसमें उपयोग की गयी भाषा और मंशा से समझा जाना चाहिए और संबंधित नीति में निर्धारित शर्तों और उस संबंध में जारी छूट अधिसूचनाओं की अदालत अनदेखी नहीं कर सकती।''

मेदवेदेव और नडाल मैक्सिको ओपन के क्वार्टर फाइनल में

अकापुल्को । दानिल मेदवेदेव और राफेल नडाल ने बुधवार को यहां आसान जीत के साथ मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। मेदवेदेव ने पाब्लो एंडुजर पर 6-1, 6-2 से हराकर एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने की तरफ भी मजबूत कदम बढ़ाए। नडाल ने स्टीफन कोजलोव को 6-0, 6-3 से पराजित किया। अगर मेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में योशिहितो निशिओका और नडाल टॉमी पॉल को हरा देते हैं तो दोनों खिलाड़ी सेमीफाइनल में आमने सामने होंगे। नडाल ने आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पांच सेट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव को हराया था। मेदवेदेव ने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। अकापुल्को में खिताब जीतने पर 26 वर्षीय मेदवेदेव विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच जाएंगे जिस पर अभी नोवाक जोकोविच काबिज हैं। पॉल ने दुसान लाजोविच को 7-6 (6), 2-6, 7-5 से जबकि निशिओका ने टेलर फिट्ज को 3-6, 6-4, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच मौजूदा चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव को युगल मैच गंवाने के बाद गुस्से में अपना रैकेट अंपायर की कुर्सी पर मारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। अन्य मैचों में स्टेफनोस सिटसिपास ने जेजे वुल्फ को 6-1, 6-0 से हराया।

भारतीय महिला टीम

न्यूज़ीलैंड को हराने के बाद बोलीं स्मृति मंधाना- यह जीत आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है

क्वीन्सटाउन ।

न्यूजीलैंड की महिला टीम के खिलाफ भारत की जीत की सूत्रधार स्मृति मंधाना का मानना है कि श्रृंखला के पांचवें और अंतिम वनडे मैच में भारत की जीत टीम को आगामी विश्व कप से पहले आत्मविश्वास देगी। न्यूजीलैंड में भारतीय टीम ने 4 वनडे और एक टी20 मैच हारने के बाद अपना पहला मैच जीता। न्यूजीलैंड के खिलाफ 71 रन की पारी खेलने के बाद स्मृति मंधाना ने कहा, सभी लड़कियां वास्तव में बाहर के शोर से अलग हो गई हैं और यह सबसे अच्छी बात है। भले ही हम पहले कुछ मैच हार गए थे लेकिन हर कोई वास्तव में अपनी तैयारी के बारे में सकारात्मक था। वे वास्तव में वहां जाने के लिए उत्सुक थे। हारने के बाद फिर भी मैदान में जाओ और कठिन अभ्यास करो और यही हमारे हाथ में है। उन्होंने कहा कि पूरे समूह का मानना है कि हम अभ्यास सत्रों में कड़ी मेहनत कर सकते हैं और प्रक्रिया का पालन कर सकते हैं। जब तक हम प्रक्रिया को सही तरीके से नहीं कर रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि बाहर का शोर हमें प्रभावित करता है। इसलिए जब हम अभ्यास सत्र में जाते हैं तो हम यही मानते हैं कि प्रक्रिया का पालन करें और यह जीत आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय और पहले चार एकदिवसीय मैचों से चूक गईं थी क्योंकि क्वारंटाइन में थी। मैच के बाद मंधाना ने कहा कि टीम के लिए और हम में से दो और तीन के लिए क्वारंटाइन काफी कठिन रहा है। इसलिए अंत में वापस आना अच्छा है, विशेष रूप से खुले में कुछ क्रिकेट खेलें और हां भारत के लिए योगदान दें। हमने निश्चित रूप से इस बारे में बातचीत की थी कि हमें 250 का पीछा करने के लिए एक अच्छे आधार की जरूरत है। इसलिए हम यही ढूंढ रहे थे। भारतीय बल्लेबाजी ने कहा कि मुझे लगता है कि यह पूरी टीम के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण था। उसे वापस आना और जिस तरह के शॉट खेल रही थी उसे खेलते हुए देखना अच्छा था और मैं दूसरे छोर से छक्कों को देखकर वास्तव में खुश थी। मुझे सच में नहीं लगता कि जब उसने छक्का मारा तो मुझे उसे गले लगाने का मन हुआ इसलिए मैं उसके लिए वास्तव में खुश थी। लेकिन विश्व कप में जाने वाली टीम के लिए साझेदारी होना वास्तव में महत्वपूर्ण था।

मंधाने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा था कि जब मैं समूह में शामिल हुई तो मुझे नहीं लगा कि कोई नकारात्मकता थी। हर कोई अभ्यास सत्र प्रक्रियाओं के बारे में वास्तव में सकारात्मक था। हम सभी जानते थे कि बड़ी तस्वीर विश्व कप है। हम सभी जानते थे कि यह श्रृंखला विश्व कप की तैयारी में हमारी मदद करने वाली है लेकिन ऐसा नहीं है कि अगर हम यहां हार गए तो यह दुनिया का अंत नहीं है। सभी लड़कियां हार से आहत थी ।

मयंक होंगे पंजाब किंग्स के नये कप्तान

नई दिल्ली ।

सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर सकते हैं। मयंक ने कप्तानी की रेस में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को पीछे छोड़ा है। मयंक को पिछले दो सत्र में किये शानदार प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान बनाने पर फैसला हुआ है हालांकि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। पंजाव ने जब मेगा नीलामी में धवन को खरीदा था तब लगा कि उन्हें कप्तानी मिल सकती है पर बाद में युवा मयंक के नाम पर सहमति बनी क्योंकि अधिकतर टीमों ने कप्तानी युवा खिलाड़ियों को सौंपी है। मयंक ने आईपीएल के पिछले 2 सत्र में शानदार प्रदर्शन कर 800 से अधिक रन बनाए हैं। साल 2021 में उन्होंने 12 मैच में 441 रन बनाये थे। जिससे 4 अर्धशतक शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 140 का रहा हैं। वहीं उन्होंने साल 2020 में 11 मैच में 424 रन बनाए थे। जिसमें एक शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। पंजाब किंग्स ने आईपीएल नीलामी से पहले मयंक के अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी रीटेन किया था। टीम ने नीलामी में धवन के अलावा कागिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन को भारी-भरकम राशि में खरीदा था। मयंक का प्रदर्शन ओवरऑल टी20 में शानदार रहा है और वह 159 पारियों में 26 की औसत से

3917 रन बना चुके हैं। 2 शतक और 24 अर्धशतक लगाया है। उनका स्ट्राइक रेट 135 का है। इसके अलावा मयंक ने टीम इंडिया की ओर से 19 टेस्ट और 5 वनडे खेले हैं। टेस्ट में इस बल्लेबाज ने दोहरा शतक और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में तिहरा शतक लगाया है। पंजाब किंग्स की टीम अब तक आईपीएल का खिताब नहीं जीत सकी है। ऐसे में मयंक टीम के प्रदर्शन में सुधार लाना चाहेंगे।

रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ भारतीय टीम को नई दिशा में लेकर जाएंगे - दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली । भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि नए कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ भारतीय टीम को शानदार दिशा में ले जा रहे हैं। कार्तिक ने हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में वेस्टइंडीज पर टीम इंडिया की जीत की भी सराहना की। दिनेश कार्तिक ने कहा कि जिस चीज में मुझे सबसे ज्यादा मजा आया वह थी रोहित की कप्तानी। मुझे लगा कि उन्होंने टीम का खूबसूरती से नेतृत्व किया। तकनीकी रूप से बहुत, बहुत ही मजबूत और जिस तरह से टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली कुछ सीरीज में खेला। मैंने उसका पूरा आनंद लिया। कार्तिक ने आगे कहा कि नए कप्तान रोहित शर्मा और नए कोच राहुल द्रविड़ मुझे लगता है कि वे टीम को एक शानदार दिशा में ले जा रहे हैं। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 3-0 से हराकर टी20 रैंकिंग में नंबर वन स्थान हासिल कर लिया है। कौन नहीं बनना चाहता नंबर वन चाहे वह फिर कुछ समय के लिए ही क्यों ना हो। इस समय भारतीय टीम नंबर वन है और मुझे इसकी बहुत खुशी है।

अजिंक्य रहाणे 'शून्य' पर आऊट, गोवा ने 163 रन पर किया ऑलआऊट

खेल डैस्क ।

रणजी ट्रॉफी के दौरान बड़ा ऊलटफेर देखने को मिला जब गोवा की टीम ने मुंबई को पहली पारी में 163 रनों पर ऑलआऊट कर दिया। मुंबई की ओर से 5 बल्लेबाज ऐसे थे जोकि अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इसमें सबसे चर्चित नाम अजिंक्य रहाणे और विकेटकीपर बल्लेबाज आदित्य तारे का रहा। मुंबई की शुरूआत फिर से खराब रही। कप्तान पृथ्वी शॉ से उम्मीद थी कि वह मुंबई के लिए बढ़ी पारी खेलेंगे लेकिन एक बार फिर से वह 9 रन ही बनाकर पवेलियन लौट गए। सलामी बल्लेबाज आकर्षित गोमल 21 तो सचिन यादव 27 रन ही बना पाए। मुंबई की ओर से सरफराज खान ने एक बार फिर से जिम्मेदारी उठाई। इस सीजन के पहले ही मैच में 275 रन बनाने वाले सरफराज खान ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 63 रन बनाए। उन्हें कोटियन का साथ मिला जिन्होंने 38 गेंदों में 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 30 रन बनाए। मुंबई की ओर से अजिंक्य रहाणे के अलावा आदित्य तारे, शम्स मुलानी, धवल कुलकर्णी और प्रशांक सोलंकी खाता भी नहीं खेल पाए। गोवा की गेंदबाजी की बात की जाए तो उनकी ओर से लक्षित गर्ग और अमित यादव ने सभी 10 विकेट चटकाए।

लक्षित ने 14.4 ओवर में 3 मेडन फेंकते हुए 46 रन देकर 6 विकेट लिए। अमित यादव ने 17.4 ओवर में 6 मेडन फेंकते हुए 47 रन देकर 4 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी गोवा की शुरूआत खराब रही। ओमानकर महज 6 रन बनाकर मोहित अवस्थी रन बनाकर मोहित अवस्थी की गेंद पर पगबाधा अऊट हो गए लेकिन इसके बाद सुनील देसाई और प्रभुदेसाई ने सधी हुई बल्लेबाजी कर स्कोर आगे बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के खिलाफ विराट का शतक, दोनों पारियों में शतक लगाने वाले यश ढुल फेल

खेल डैस्क । रणजी ट्रॉफी के तहत दिल्ली के खिलाफ खेले गए मुकाबले में झारखंड ने पहले दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। सितारों से सजी दिल्ली के खिलाफ हालांकि झारखंड ने सधी हुई शुरूआत की थी लेकिन मध्यक्रम में विराट सिंह ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए 171 गेंदों में 15 चौके और एक छक्के की मदद से 103 रन बनाए जिसके कारण झारखंड 251 रन तक पहुंच पाया। विराट के अलावा झारखंड के लिए मोहम्मद निजाम ने 60 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 52 रन बनाए। दिल्ली की ओर से गेंदबाजी की शुरूआत ईशांत शर्मा ने की। उन्होंने केवल 4 ही ओवर फेंके। वहीं, नवदीप सैणी ने 12 ओवर में 27 रन देकर तीन, वी. मिश्रा ने 65 रन देकर 3, ललित यादव ने 46 रन देकर 2 तो नितिश राणा ने 41 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी दिल्ली को शुरूआती ओवरों में ही झटका लग गया। डैब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाकर चर्चा में आए यश ढुल इस बार केवल 5 ही रन बना पाए। ढुल को नदीम ने कुशाग्र के हाथों कैच आऊट करवाया।

आईसीसी ने महिला विश्व कप के लिए नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी (आईसीसी) ने अगले माह न्यूजीलैंड में होने वाले महिला विश्व कप को देखते हुए नीयमों में बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि कोरोना की वजह से टूर्नामेंट में बाधा नहीं पड़ने के लिए यह यह बदलाव किये गये हैं। आईसीसी के नये नियम के तहत ही अगर किसी टीम में कोरोना संक्रमण फैलता है तो वह 9 खिलाड़ियों के साथ भी मैदान में उतर सकेगी। हाल ही में वेस्टइंडीज में हुए अंडर-19 विश्व कप में 9 खिलाड़ियों का यह प्रयोग अपनाया गया था। तब खिलाड़ियों के संक्रमित होने की वजह से कई टीमों के पास अंतिम-11 के लिए खिलाड़ी कम पड़ गये थे। आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने कहा कि अगर किसी टीम में कोरोना फैल जाता है तो टीम 11 से कम खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है और जरूरत पड़ने पर टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ से लोगों को अंतिम-11 में शामिल किया जा सकेगा। टेटली ने आगे कहा, अगर यह जरूरी हुआ तो हम एक टीम को 9 खिलाड़ियों को उतारने की अनुमति देंगे। वहीं अगर टीम के पास प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ में महिला सदस्य मौजूद होंगी तो वो बतौर सब्सिट्यूट मैदान पर उतर सकेंगी पर दोनों खिलाड़ी गेंदबाजी या बल्लेबाजी नहीं कर सकेंगी। सब्सिट्यूट मैदान पर उतर सकेंगी पर दोनों खिलाड़ी गेंदबाजी या बल्लेबाजी नहीं कर सकेंगी। इसके अलावा कोरोमा महामारी को ध्यान में रखते हुए, सभी टीमों को 3 अतिरिक्त खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर टीम के साथ लाने की अनुमति दी गई है। अतिरिक्त खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर टीम के साथ लाने की अनुमति दी गई है। इसके तहत अगर टीम में कोरोना के मामले सामने आते हैं तो रिजर्व खिलाड़ियों को 15 के मुख्य स्क्वॉड में शामिल किया जा सकेगा हालांकि, जरूरत पड़ने पर मैच को किसी दूसरे दिन आयोजित करने का भी विकल्प उपलब्ध रहेगा।

एशिया कप क्वालीफायर के अंतिम दौर में इन टीमों से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली ।

एशियाई फुटबॉल परिसंघ के मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर स्थित मुख्यालय में गुरुवार को एएफसी एशिया कप चीन 2023 के अंतिम दौर के क्वालिफायर मुकाबलों का शेड्यूल जारी किया गया। भारत को ग्रुप डी में हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट का यह आखिरी चरण आठ जून को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में शुरू होगा और इस दिन भारतीय फुटबॉल टीम कंबोडिया से भिड़ेगी, जबकि उसके अगले दो मैच 11 जून को अफगानिस्तान और 14 जून को हांगकांग के खिलाफ होंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 24 टीमों को छह समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें छह ग्रुप विजेता टीमें और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच सर्वश्रेष्ठ टीमें चीन में होने वाले एएफसी एशिया कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप कतर 2022 और एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के संयुक्त क्वालीफायर के दूसरे दौर में ग्रुप ई में तीसरे स्थान पर रहने के बाद एएफसी एशिया कप क्वालीफायर के तीसरे और अंतिम दौर में जगह बनाई थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने शेड्यूल के बारे में कहा, 'शेड्यूल हमेशा अच्छा या बुरा हो सकता है, लेकिन हमें अपना काम करने की जरूरत है। हमारी योजना मई के पहले हफ्ते से कोलकाता में अपना तैयारी शिविर शुरू करने की है, लेकिन मुंबई सिटी एफसी के खिलाड़ी एएफसी चैंपियंस लीग में क्लब की प्रतिबद्धताओं के कारण 29 मई से पहले उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं एटीके मोहन बागान के भी एएफसी कप में शामिल होने की संभावना है और उनके खिलाड़ी भी 25 मई तक अनुपलब्ध रहेंगे। इन दोनों क्लबों के लगभग 12 या इससे अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं।

ऐसे में हमें अन्य खिलाड़ियों को आजमाने, उन्हें तैयार करने और अन्य खिलाड़ियों के टीम में शामिल होने का इंतजार करने की जरूरत है। मौजूदा स्थिति काफी हद तक मार्च में होने वाले मैत्री मैचों जैसी ही है। उल्लेखनीय है कि भारतीय फुटबॉल टीम को 23 और 26 मार्च को क्रमशः बहरीन और बेलारूस के साथ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलने हैं।

महिला विश्व कप से पहले भारतीय टीम लय में लौटी

मुम्बई । मिताली राज की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम सही समय पर लय में आ गयी है। भारतीय महिला टीम ने मेजबान न्यूजीलैंड को पांच मैचों के अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 6 विकेट से हराया है। इस दौरान कप्तान मिताली राज के अलावा बल्लेबाज स्मृति मंधाना ओर हरमनप्रीत कौर ने अर्धशतक लगाये हैं। इसके अलावा भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। इस जीत से भारतीय टीम को विश्व कप के लिए विजयी संयोजन भी मिल गया है। इसके अलावा इस मैच में भारतीय स्पिनरों दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट लिये और वीवी गेंदबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इस मैच में जीत से भारतीय टीम का मनोबल भी बढ़ा है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के कुल स्कोर पर आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का विकेट खो दिया। शेफाली 11 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मंधाना ने दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर स्कोर को 89 रन तक ले गईं। दीप्ति को 21 रन के निजी स्कोर पर फ्रान जोनास ने आउट किया। इस प्रकार भारत का दूसरा विकेट गिरा। दीप्ति के आउट होने के बाद मंधाना ओर हरमनप्रीत कौर ने पारी को आगे बढ़ाया। अब तक नाकाम रही हरमनप्रीत ने मंधाना के साथ मिलकर अच्छी साझेदारी की, और दोनों बल्लेबाज कुल स्कोर को 150 रन के पार ले गए। मंधाना 71 रन बनाकर अमेलिया केर का शिकार बनीं। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट पर 64 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत आउट होने वाली तीसरी बल्लेबाज रहीं। उन्हें हना रोव ने 63 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। मंधाना 71 रन बनाकर अमेलिया केर का शिकार बनीं। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट पर 64 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत आउट होने वाली तीसरी बल्लेबाज रहीं। उन्हें हना रोव ने 63 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। हरमनप्रीत ने आउट होने से पहले 66 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्का लगाया। हरमनप्रीत ने कप्तान मिताली के साथ मिलकर चौथे विकेट पर 72 रन बनाये। इसके बाद मिताली ने युवा विकेटकीप ऋचा घोष के साथ मिलकर जीत दिलाई। मिताली ने 66 गेंदों पर नाबाद 57 रन की पारी खेली। इस सीरीज में ऋचा भी एक बेहतरीन बल्लेबाज के तौर पर उभरकर सामने आई। ऋचा ने चौथे एकदिवसीय में सबसे तेज अर्धशतक लगाया था।

मेरे संन्यास लेने के बाद टीम ओर बेहतर होगी : मिताली

क्रींसटाउन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत के बाद कहा कि उनके संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम और भी बेहतर हो जाएगी क्योंकि उसे और प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल जाएंगे। मिताली ने कहा कि आगामी एकदिवसीय विश्व कप के बाद वह खेल को अलविदा कह देंगी। अपने प्रदर्शन को बेहतर किया है यह विश्व कप से पहले एक अच्छा संकेत है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट से पहले सही तैयारी करना जरूरी है ऐसे में टीम नई प्रतिभाओं के साथ आगे बढ़ेगी ओर पहले से बेहतर होकर उभरेगी। मिताली ने साथ ही कहा कि हमने पिछले कुछ मैचों में अपने प्रदर्शन को बेहतर किया है यह विश्व कप से पहले एक अच्छा संकेत है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट से पहले सही तैयारी करना जरूरी है। इस सीरीज में गेंदबाजों ने आज अच्छा प्रदर्शन किया हालांकि हमें अभी भी अपने क्षेत्ररक्षण को बेहतर करने की जरुरत है।।

संन्यास का फैसला स्वयं खिलाड़ी को ही करना चाहिये : लालचंद राजपूत

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि किसी भी खिलाड़ी को संन्यास की सलाह नहीं दी जा सकती है। पूर्व कोच ने यह बात टीम इंडिया के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को लेकर कही। साहा ने हाल ही में कहा था कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित टीम प्रबंधन ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह लेते हुए कहा था कि अब उनके नाम पर विचार नहीं होगा। इसी कारण उन्हें रणजी से भी अपना नाम वापस लेना पड़ा है। साहा ने भारत की ओर से 40 टेस्ट खेले हैं। राजपूत ने कहा कि संन्यास का फैसला स्वयं खिलाड़ी को ही करना होगा। उन्होंने कहा, 'आप किसी भी खिलाड़ी को यह नहीं बोल सकते हैं कि आप संन्यास लो। हर खिलाड़ी के ऊपर यह होता है कि वह कब तक खेले और कब संन्यास ले। यह उसका फैसला होता है।' साथ ही कहा कि भले ही आप खिलाड़ियों को टीम में नहीं लें पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट और आईपीएल में तो उन्हें अवसर मिलना ही चाहिये। यह उसका फैसला होता है।' साथ ही कहा कि भले ही आप खिलाड़ियों को टीम में नहीं लें पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट और आईपीएल में तो उन्हें अवसर मिलना ही चाहिये। राजपूत के अनुसार यदि आप किसी खिलाड़ी के संन्यास की बात करते हैं तो उसके सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। चाहे तो रणजी ट्रॉफी हो या आईपीएल जबकि होना यह चाहिये कि जब तक खिलाड़ी फिट है, उसे खेलते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अभी तक फिट है और खेल रहा है। उसने टेस्ट और एकदिवसीय से स्वयं संन्यास लिया है। उससे किसी ने कहा नहीं , अगर आप किसी खिलाड़ी को टीम इंडिया में नहीं लेते हैं तो उसे स्वयं ही इस बारे में जानकारी मिल जाती है उन्होंने कहा, 'पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अभी तक फिट है और खेल रहा है। उसने टेस्ट और एकदिवसीय से स्वयं संन्यास लिया है। उससे किसी ने कहा नहीं , अगर आप किसी खिलाड़ी को टीम इंडिया में नहीं लेते हैं तो उसे स्वयं ही इस बारे में जानकारी मिल जाती है जिससे वह खेल को अलविदा कहने के बारे में सोचने लगता है।' राजपूत ने कहा कि 40 टेस्ट खेलने वाले साहा के साथ संवाद सही नहीं रहा , इसलिए इस प्रकार की स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि मैं भी कोच हूं। मेरे पास भी कई खिलाड़ी आते हैं और कहते हैं कि मेरे लिए भविष्य में किस तरह के अवसर हैं। मैं उनसे हमेशा कहता हूं कि आप अच्छा प्रदर्शन करो, उम्र का कोई बंधन नहीं है।

मेदवेदेव मैक्सिको ओपन के क्वार्टर फाइनल में, शीर्ष रैंकिंग के करीब पहुंचे

अकापुल्को । डेनियल मेदवेदेव ने पाब्लो एंडुजर पर 6-1, 6-2 की शानदार जीत से मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने की तरफ भी मजबूत कदम बढ़ाए। अकापुल्को में खिताब जीतने पर 26 वर्षीय मेदवेदेव विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच जाएंगे जिस पर अभी नोवाक जोकोविच काबिज हैं। रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव का अगला मुकाबला टेलर फिट्ज या योशिहितो निशियोका से होगा। इस बीच मौजूदा चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव को युगल मैच गंवाने के बाद गुस्से में अपना रैकेंट अंपायर की युगल मैच गंवाने के बाद गुस्से में अपना रैकेंट अंपायर की युगल मैच गंवाने के बाद गुस्से में अपना रैकेंट अंपायर की कुर्सी पर मारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। मेदवेदेव ने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था लेकिन वह आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में राफेल नडाल से हार गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे –

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे –

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

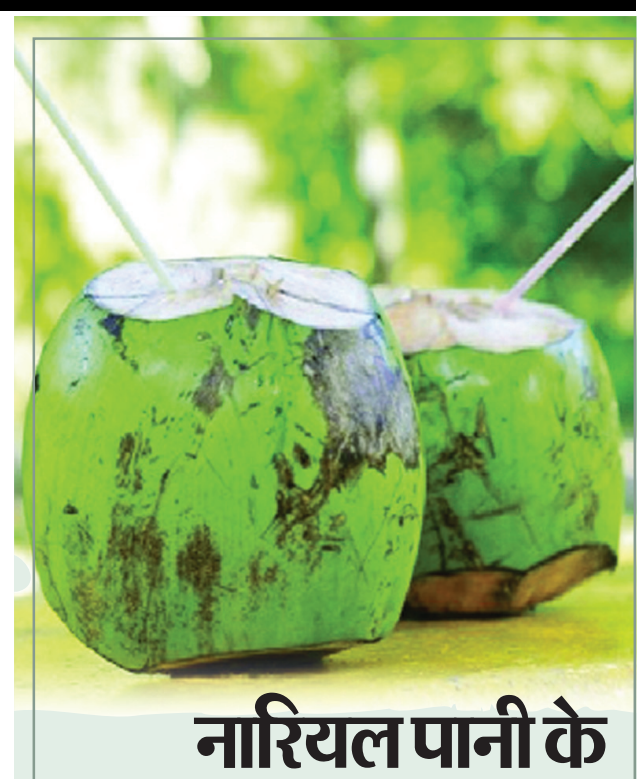

नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।

चाय बनाने की सही विधि

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

भारत-फ्रांस अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए रखने के लिए मिलकर कर रहे काम : जयशंकर

इंटरनेशनल डेस्क।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि फ्रांस के साथ भारत के संबंध विश्वास पर आधारित हैं और यह ऐसा रिश्ता है जो अन्य मामलों में देखे गए अचानक बदलावों से मुक्त रहा है।पेरिस में एक थिंक टैंक में दिए संबोधन में जयशंकर ने कहा कि भारत और फ्रांस हिंद-प्रशांत क्षेत्र में देशों के लिए बेहतर विकल्प पैदा करने और उन्हें संप्रभु बनाने का इरादा रखते हैं और उन्हें न तो कभी किसी वर्चस्व के अधीन रखना चाहिए और न ही इस बनाम उस की शक्ति प्रतिस्पर्धा में फंसाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि भारत-फ्रांस अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत रक्षा और उद्योग के क्षेत्रों में फ्रांस को एक अहम साझेदार के तौर पर देखता है तथा भारत में सहयोगात्मक रक्षा उद्यमों के लिए ''महत्वाकांक्षी विचारों'' को तलाशा जा रहा है जो हिंद-प्रशांत में भी साझा हितों का समर्थन करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत समुद्री क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष और साइबर से लेकर महासागरों तक में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए फ्रांस को विश्वस्त भागीदार के तौर पर देखता है। उन्होंने मंगलवार को 'फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस' में कहा, ''हमारे दौर के उथल पुथल से गुजरते हुए भारत के फ्रांस के साथ संबंध स्थिरता के साथ बढ़ रहे है। यह ऐसा रिश्ता है जो अचानक आए बदलावों से मुक्त है जो कई बार हमने दूसरे मामलों में देखा है।''

जयशंकर ने कहा, ''भारत में रिश्तों में विश्वास और आत्म विश्वास की बड़ी भावना है। यह उन्होंने कहा कि फ्रांस अहम मुद्दों पर अपना रुख रखने से कभी नहीं हिचकिचाता और हठधर्मिता न होने से भारत जैसे उभरती शक्ति के साथ मजबूत भागीदारी बनाने में मदद मिली है।

रूस यूक्रेन हमले के बाद नाटो ने सुरक्षा बलों की तैनाती को और मजबूत करने पर जताई सहमति

कीव।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य हमले में अब तक 9 लोगों मौत हो गई जबकि 7 अन्य घायल हो गए। वहीं हमले के बाद नाटो ने यूक्रेन और रूस के पास स्थित अपने पूर्वी किनारे में अपनी जमीनी, समुद्री बलों और वायुसेना की तैनाती को मजबूत करने पर सहमति जतायी। नाटो के दूतों ने आपातकालीन वार्ता के बाद एक बयान में कहा कि हम गठबंधन के पूर्वी हिस्से में अतिरिक्त रक्षात्मक जमीनी और वायुसेना, साथ ही अतिरिक्त समुद्री परिसंपत्ति तैनात कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि हमने सभी आकस्मिक स्थिति का जवाब देने के लिए अपने बलों की तैयारी बढ़ा दी है। उत्तरी अटलांटिक परिषद की एक बैठक के बाद ब्रुसेल्स (बेल्जियम) स्थित मुख्यालय में मीडिया से स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि हमारे पास अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करने वाले 100 से अधिक जेट और उत्तर से भूमध्य सागर तक समुद्र में 120 से अधिक जंगी जहाजों बेड़ा है। हम अपने गठबंधन को हमले से बचाने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगे। बता दें कि नाटो के 30 सदस्य देशों में से कुछ यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद और अन्य उपकरणों की आपूर्ति कर रहे हैं। नाटो यूक्रेन के समर्थन में कोई सैन्य कार्रवाई शुरू नहीं करेगा, जो उसका एक करीबी भागीदार है। संघर्ष के निकटतम देश - एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया और पोलैंड - नाटो की स्थापना संधि के अनुच्छेद 4 के तहत दुर्लभ परामर्श शुरू करने वालों में शामिल हैं, जो तब किया जा सकता है जब ''क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता या किसी की (नाटो सदस्यों में से किसी की) सुरक्षा खतरे में होती है। राजनीतिक स्वतंत्रता या किसी की (नाटो सदस्यों में से किसी की) सुरक्षा खतरे में होती है। दूतों ने कहा कि हमने सभी सहयोगियों की रक्षा के लिए अपनी रक्षात्मक योजना के अनुरूप, गठबंधन में प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारे कदम एहतियाती, आनुपातिक और गैर-उकसावे वाले हैं।

रूस और यूक्रेन में हो रहे धमाकों से लाइव टीवी पर रिपोर्टिंग करते इस कदर डरा

नेशनल डेस्क।

रूस और यूक्रेन के बीच हो रहे हमले में अब 9 लोगों की मौत हो गई है। रूस ने आज सुबह जंग का ऐलान कर दिया था जिसके बाद रूस ने सबसे पहले यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाया। जहां रूस ने मिसाइल छोड़ कई कार्यालयों को नष्ट कर दिया। इस हमले में लोग किस कदर दहशत में आ गए है इसका हाल ही में एक वीडियो में खुलासा हुआ। दरअसल, सोशल मीडिया पर यूक्रेन की राजधानी कीव का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में एक रिपोर्टर कीव से लाइव रिपोर्टिंग करता हुआ नजर आ रहा है। वीडियो में रिपोर्टर को जैसे ही कीव में धमाकों की आवाज सुनाई देती है, वो इस कदर जर जाता है कि लाइव टीवी पर ही अपनी सुरक्षा जैकेट और हेलमेट पहनने लगता है। वीडियो के वायरल होने के बाद से सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देने शुरू कर दी हैं, सभी यूजर रिपोर्टर को सुरक्षित रहने के लिए कह रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रिपोर्टर मैथ्यू लाइव टीवी पर रिपोर्टिंग कर रहे होते हैं तब ही उन्हें कुछ धमाकों की आवाज सुनाई देती है, इसके बाद वो लाइव टीवी पर ही सुरक्षा जैकेट और हेलमेट पहनने लगते हैं। सुरक्षा जैकेट पहनने के दौरान उनका माइक भी टूट जाता है फिर भी वो अपने टूटे माइक को हाथ में लेकर कीव से लाइव अपडेट देता है।

चीन ने की यूक्रेन मुद्दे से जुड़े सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील

बीजिंग।

रूस के निकट सहयोगी चीन ने यूक्रेन मुद्दे से संबद्ध सभी पक्षों से संयम बरतने तथा और तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से परहेज करने की अपील की है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि झांग जून ने यह बयान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद दिया है। चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि झांग ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 76 वें सत्र में पूर्ण बैठक में कहा, '' वर्तमान परिदृश्य में सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतना चाहिए तथा ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे तनाव और बढ़े। टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में सैन्य अभियान चलाने का रूस का कदम उस देश से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर उठाया गया है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि वे रूस की कार्रवाई में दखल देते हैं तो उन्हें 'ऐसे परिणाम भुगतने होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे। शिन्हुआ के अनुसार झांग ने कहा, '' चीन यूक्रेन में उभरती स्थिति पर ध्यान दिये हुए है। सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा पर चीन का रूख निरंतर एक-सा रहा है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों को संयुक्त रूप से अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि यूक्रेन के मुद्दे की जड़ें ऐतिहासिक एवं वर्तमान कारकों में समायी हुई हैं । उन कारकों की परस्पर क्रिया से स्थिति यहां तक पहुंची है। वर्तमान परिदृश्य में सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतना चाहिए और कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए ।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का दावा- 50 रूसी मार गिराए, रूस ने कई शहरों में दागीं मिसाइलें; एयरबेस किया नष्ट

नेशनल डेस्क । रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है। इस हमले में अब तक 18 की मौत की खबर सामने आ रही है। रूसी सेना ने यक्रेन के कई शहरों में मिसाइलें दागीं हैं। स्थानीय मीडिया ने यूक्रेन की राजधानी कीव में विस्फोटों की सूचना दी है। राजधानी के मुख्य हवाईअड्डे के पास भी गोलियों की आवाज सुनी गई है। इस बीच, यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने कब्जा करने आए 50 रूसी को मार गिराया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि उसने यूक्रेन के एयरबेस और एयर डिफेंस अपने सटीक हथियारों से नष्ट कर दिए हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से गुरुवार को एक बयान जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि रूसी सेना यूक्रेन के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को सटीक हथियारों से नष्ट कर रही है। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन की घोषणा कर दी है। रूसी न्यूज एजेंसियों ने मंत्रालय की ओर से जारी बयान दिखाया, जिसमें कहा गया था कि यूक्रेन का मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर, एयर डिफेंस फैसिलिटी, मिलिट्री एयरफील्ड्स और सशस्त्र सेनाओं के एविएशन को सटीक हथियारों से निष्क्रिय किया जा रहा है। यूक्रेन ने दावा किया है कि पांच रूसी विमान-हेलीकॉप्टर मार गिराए हैं। समाचार एजेंसी स्नक्र ने इसकी जानकारी दी है. वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से इसका खंडन किया गया है। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि उनका देश पूर्वी यूक्रेन में एक सैन्य अभियान चलाएगा। पुतिन ने अन्य देशों को आगाह किया कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास 'के ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे होंगे।

यूक्रेन संकट पर अमेरिका के रुख से भड़का चीन, दहशत पैदा करने का लगाया आरोप

बीजिंग। चीन ने अमेरिका पर यूक्रेन संकट को लेकर ''भय और दहशत'' पैदा करने का आरोप लगाया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बुधवार को कहा कि चीन रूस पर नए प्रतिबंधों का विरोध करता है और चीन के पुराने रूख को दोहराता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सीमाओं के आसपास रूसी सैनिकों की तैनाती और आक्रमण की आशंका के जवाब में अमेरिका कीव को हथियार प्रदान करके तनाव बढ़ा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में चीन-रूस संबंध घनिष्ठ हुए हैं। चिनफिंग ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में वार्ता के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी की थी। दोनों पक्षों ने पूर्व सोवियत गणराज्यों में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विस्तार के लिए रूस की आपत्ति का समर्थन करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया और ताइवान के स्व-शासित द्वीप अंतरराष्ट्रीय तनाव को कम करने के लिए बीजिंग बहुपक्षीय वार्ता चाहता है। उन्होंने अमेरिका, फ्रांस और अन्य द्वारा रूस को वार्ता की मेज पर लाने के प्रयासों का उल्लेख नहीं किया।

चीन ने यूक्रेन मुद्दे से जुड़े सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र ।

यक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 'विशेष सैन्य अभियान' पर रूस के करीबी सहयोगी चीन ने बृहस्पतिवार को सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की और सभी संबद्ध पक्षों से संयम बरतने तथा तनाव को नियंत्रण से बाहर होने देने से रोकने का आह्वान किया। टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में सैन्य अभियान चलाने का रूस का कदम उस देश से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर उठाया गया है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि वे रूस की कार्रवाई में दखल देते हैं तो उन्हें 'ऐसे परिणाम भुगतने होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।'' डोनबास क्षेत्र में सैनिकों को भेजने और क्या चीन इसे 'आक्रमण' तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन मानता है, सवालों का जवाब देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा, ''मैं कहना चाहूंगी कि चीन, यूक्रेन की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।'' उन्होंने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, '' हम सभी पक्षों से संयम बनाये रखने एवं स्थिति को नियंत्रण से बाहर नहीं जाने देने की अपील करते हैं।'' जब उनसे यह सवाल किया गया कि क्या पुतिन का कदम यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन है, प्रवक्ता ने कहा, '' इस मुद्दे की जटिल ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है।'' इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र में चीन ने यूक्रेन मुद्दे से जुड़े पक्षों से संयम बरतने तथा तनाव को और अधिक बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से बचने को कहा। चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि संयुक्त राष्ट्र में चीन के विशेष प्रतिनिधि झांग जून ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76 वें सत्र की पूर्ण बैठक में कहा, '' वर्तमान परिदृश्य में सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतना चाहिए तथा ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे तनाव और बढ़े।''हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि ने यह बयान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद दिया है।

नाटो के महासचिव स्टॉल्टेनबर्ग बोले- रूस ने यूक्रेन पर हमला कर यूरोप की शांति को भंग किया

इंटरनेशनल डेस्क।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से यूरोपीय महाद्वीप की शांति भंग हो गई है। स्टॉल्टेनबर्ग ने शुक्रवार को नाटो गठबंधन के नेताओं का शिखर सम्मेलन बुलाने का आह्वान किया है। रूस ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर आक्रमण कर उसके शहरों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले या गोलीबारी की। यूक्रन सरकार ने कहा कि रूसी टैंक और सैनिक सीमा पर घूम रहे हैं। साथ ही उसने रूस पर पूर्ण युद्ध छेड़ने का भी आरोप लगाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के एक सलाहकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश पर रूसी हमले में अब तक करीब 40 लोग मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा कि हमले में कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या हताहतों में आम नागरिक भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अधिकारी देश की रक्षा के इच्छुक सभी लोगों को हथियार सौंपेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, ''यूक्रेन के लोगों का भविष्य हर यूक्रेनी पर निर्भर करता है। राष्ट्रपति ने उन सभी लोगों से आगे आने का आग्रह किया जो देश की रक्षा कर सकते हैं । अंकारा तुर्की में यूक्रेन के राजदूत ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देश से अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने और रूसी जहाजों के लिए काला सागर के प्रवेश द्वार पर जलडमरूमध्य को बंद करने का आह्वान किया। कीवः यूक्रेन के राष्ट्रपति के एक सलाहकार मायखाइलो पोडोलीक ने कहा है कि रूसी सेना ने उत्तर, पूर्व और दक्षिण से यूक्रेन पर हमला शुरू किया है। सलाहकार ने कहा, ''यूक्रेनी सेना जवाबी कार्रवाई कर रही है। यूक्रेन पर रूसी हमले की विश्व के नेताओं ने बृहस्पतिवार को निंदा की। उन्होंने इसे 'एक अनुचित और बर्बर कृत्य करार दिया और रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने समेत हमले के लिए 'क्रेमलिन को जिम्मेदार ठहराने की बात कही। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रूस की कार्रवाई को एक स्वतंत्र राष्ट्र पर ''बर्बर हमला कहा, जिसने अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था को भी निशाना बनाया है। लेयेन ने कहा हम मिलकर इसके लिए व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरायेंगे। ''यूरोप में स्थिरता और संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था को भी निशाना बनाया है। लेयेन ने कहा हम मिलकर इसके लिए व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरायेंगे। उन्होंने कहा, ''हम यूरोपीय नेताओं के समक्ष अनुमति के लिए बड़े और लक्षित प्रतिबंधों का पैकेज पेश करेंगे।

कांग्रेस ने निजी सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से जासूसी करने का आरोप लगाया हिमाचल सरकार पर

शिमला । हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निजी सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से विधायकों की जासूसी कराने का अरोप लगाया । हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में इस मसले को उठाते हुये अग्निहोत्री ने कहा कि राज्य सीआईडी ने अपने व्हाट्सएप ग्रुप पर एक संदेश में विधायकों के निजी सुरक्षा कर्मियों (पीएसओ) से उनके लोकेशन के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया। उन्होंने दावा किया कि पीएसओ को विधायकों को इसके बारे में नहीं बताने का निर्देश दिया गया कि उनके लोकेशन (स्थानों) के बारे में पूछा गया था । उन्होंने दावा किया कि पीएसओ को विधायकों को इसके बारे में नहीं बताने का निर्देश दिया गया कि उनके लोकेशन (स्थानों) के बारे में पूछा गया था । विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को पेगासस सॉफ्टवेयर नहीं मिला, लेकिन वह पीएसओ के जरिए विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल के विधायकों की जासूसी कर रही है। अग्निहोत्री ने कहा कि राज्य सरकार को व्हाट्सएप ग्रुप पर संदेश भेजने वाले अधिकारी को तत्काल निलंबित करना चाहिए। उनके आरोपों का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि को किसी भी विधायक की जासूसी करने का निर्देश नहीं दिया है। सरकार ने किसी भी अधिकारी को किसी भी विधायक की जासूसी करने का निर्देश नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से ऐसा कियो जाने का सवाल ही नहीं उठता है, उन्होंने कहा कि विधायकों की गोपनीयता बनाए रखी जाएगी।

यूरोपीय संघ का बड़ा एक्शन, रूस के 351 सांसदों पर लगाया प्रतिबंध

इंटरनेशनल डेस्क। यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए प्रतिबंधों की 'पहली किश्त' में 351 सांसदो और 27 हाई प्रोफाइल लोग व संस्थाओं पर बैन लगा दिया हैं। इन हाई प्रोफाइल लोगों में कई अधिकारी व अरबपति शामिल हैं। यूरोपीय संघ के 27 देशों में इनसे जुड़ी संपत्तियां अब कभी भी जब्त की जा सकती है। इस सूची में वे लोग शामिल किए गए हैं, जो यूक्रेन के अलगाववादी हिस्सों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के पक्ष में मतदान के जरिये या किसी दूसरे रूप से जुड़े रहे। ये लोग अब यूरोपीय संघ के देशों की यात्रा भी नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा जो वहां पहले से मौजूद हैं उन्हें कभी भी देश छोड़ने के लिए कहा जा सकता है। वहीं, यूरोपीय संघ के नेताओं ने गुरुवार शाम को आपातकालीन शिखर सम्मेलन करने की योजना बनाई है। वहीं, बुधवार को अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि अगर रूस यूक्रेन पर आक्रमण करता है, तो कम से कम 50 लाख विस्थापित हो सकते हैं। विश्व निकाय में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अगर रूस हमले का रास्ता अपनाता है हमारे अनुमान के अनुसार, एक नया शरणार्थी संकट पैदा कर सकता है, जो दुनिया का आज तक का सबसे बड़ा विस्थापन होगा। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर इस संकट के समाधान का कूटनीतिक हल निकालने का प्रयास करना होगा।

पाकिस्तान में गैस की कमी कारण लोग बेहाल

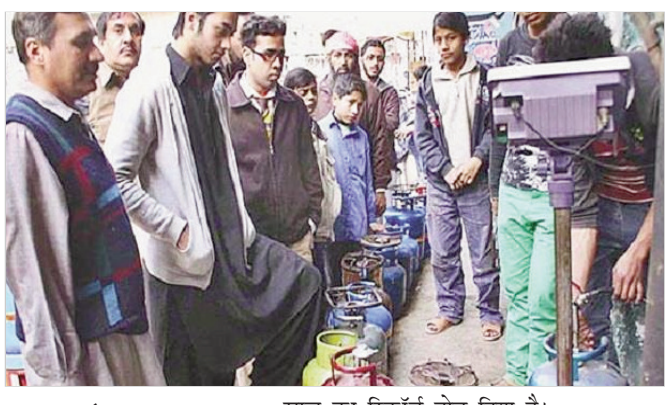

पेशावर।

पाकिस्तान में महंगाई ने बीते दो साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। खाने से लेकर तेल, स्वास्थ्य और बाकी सामान हर चीज़ के दाम आसमान छू रहे । ये हालात और बदतर तब हो गए जब खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाली गैस की किल्लत होने लगी। सर्दियों के मौसम में घरेलू और व्यावसायिक रूप से इस्तेमाल होने वाली इस गैस में भारी कमी देखने को मिली । पाकिस्तान में गैस की कमी की वजह से कारोबारियों और गृहिणियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहां कई सालों से गैस किल्लत है और इसे पूरा करने के लिए पाकिस्तान एलएनजी यानी लिक्विफाइड नेचुरस गैस का आयात करने लगा है। लेकिन तब भी हालात नहीं सुधर रहे। सरकार लोगों की मांग के अनुसार गैस की आपूर्ति नहीं दे पा रही है । सुई नार्दर्न गैस पाइपलाइन लिमिटेड द्वारा गैस की डिमांड पूरी न करने कारण लोगों भारी परेशानी का समना करना पड़ रहा है। एलएनजी पर संचालित अधिकांश सीएनजी स्टेशन भी बंद हो गए हैं। गैस की कमी के चलते हालात इस कद्र बिगड़े हैं कि रावलपिंडी के निवासी होटलों से खाना लाने पर मजबूर हैं। दो महीने से ज्यादा समय से गैस किल्लत का हवाला देते हुए होटलों ने भोजन के दाम बेतहाशा बढ़ा दिए हैं।

सुई नार्दर्न गैस पाइपलाइन लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक मुख्तार शाह ने कहा कि गैस सोखने वाले कंप्रेसर के कारण अधिकांश उपभोक्ता प्राकृतिक गैस से महरूम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि गैस सोखने वाले कंप्रेसर का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सुई नार्दर्न गैस पाइपलाइन लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक मुख्तार शाह ने कहा कि गैस सोखने वाले कंप्रेसर के कारण अधिकांश उपभोक्ता प्राकृतिक गैस से महरूम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि गैस सोखने वाले कंप्रेसर का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इस बीच विक्रेताओं ने कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए लकड़ी और एलपीजी के दाम और बढ़ने की आशंका है। गैस का प्रेशर शून्य हो जाने से कई तंदूर बंद हो गए हैं। अपना काम चलाने के लिए कई होटल खर्चीली एलपीजी या लकड़ी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रूस ने यूक्रेन की हवाई रक्षा संपत्तियों को कर दिया नष्ट

मॉस्को। रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन की सेना की हवाई रक्षा संपत्तियों और सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस के हमलों ने ''यूक्रेन की सेना के हवाई रक्षा संपत्तियों को नष्ट कर दिया है, साथ ही यूक्रेन के सैन्य ठिकानों के बुनियादी ढांचों को नेस्तनाबूद कर दिया है। मंत्रालय ने यूक्रेन से गुजर रहे एक रूसी युद्धक विमान को मार गिराने के दावों को भी खारिज कर दिया। इस बीच, यूक्रेन की सेना ने कहा कि उसने रूस के पांच विमानों को मार गिराया है। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बृहस्पतिवार को यूक्रेन में सैन्य अभियान की घोषणा की है। रूस के इस कदम की अंततराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। यूरोपीय संघ ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण के ''रूस पर व्यापक और गंभीर परिणाम होंगे और जल्द ही उस पर अधिक प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। वहीं, चीन ने यूक्रेन में अपने नागरिकों को मौजूदा सैन्य कार्रवाइयों और अराजकता के कारण घर में रहने की सलाह दी है, लेकिन रूस की सेना की किसी कार्रवाई का उसने कोई जिक्र नहीं किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी राज में यूपी में कोई बाहुबली दिखाई नहीं देता, हर जगह बजरंगबली ही दिखाई पड़ते :शाह

लखनऊ ।

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह गुरुवार को चुनाव प्रचार के लिए बहराइच पहुंचे थे। जहां उन्होंने योगी आदित्यनाथ की सरकार की जमकर प्रशंसा कर शाह ने दावा किया कि योगी ने इसतरह शासन को चलाया है कि दूरबीन लेकर भी कोई बाहुबली दिखाई नहीं पड़ता है, अब हर जगह बजरंगबली ही दिखाई पड़ते हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 4 चरणों के मतदान हो चुके हैं जबकि अब भी तीन चरण के चुनाव होने हैं। पांचवें चरण की वोटिंग 27 फरवरी को होनी है।इस लेकर चुनाव प्रचार फिलहाल चरम पर है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि 2014 के चुनाव में भाजपा को आपने जिताया, 2017 और 2019 में भी जिताया। ये अखिलेश यादव निर्मल गेंदबाज है, अब फुलटॉस डाल दिया है, अब कैसरगंज वालों को उस पर बाउंड्री लगानी है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में सपा बसपा का सूपड़ा साफ हो चुका है। 300 से ज्यादा सीटों के साथ भाजपा की जीत की नींव चार चरणों ने डाली है, पांचवे चरण वालों को इस मजबूत नींव पर मजबूत इमारत बनाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि 2017 में हमने कहा था कि उत्तर प्रदेश में हम कानून व्यवस्था को ठीक करने वाले है। योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद हमने चुन-चुनकर माफियाराज को समाप्त किया है। आज आजम खान, अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी ये सब जेल में हैं। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण के ढ़ेर सारे काम यहां पर किए हैं। उत्तर प्रदेश में 1.67 करोड़ माताओं को गैस का सिलेंडर मुफ्त देने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 2.61 करोड़ घरों में शौचालय बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया है। गृह मंत्री ने कहा कि 1.41 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई है। अखिलेश सरकार में कभी आपके यहां 24 घंटे बिजली आती थी ।

संक्षिप्त समाचार

अदालत ने बिक्रम सिंह मजीठिया को 8 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजा

मोहाली । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर ड्रग्स से जुड़े मामले में मोहाली की अदालत में आत्मसमर्पण किया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पंजाब पुलिस को बिक्रम सिंह मजीठिया को ड्रग्स से जुड़े मामले में 23 फरवरी तक गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था, ताकि वह विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार कर सकें। बता दें कि शिअद नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री मजीठिया को मोहाली के एक अदालत ने 8 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण कर जमानत के लिए आवेदन भी किया था। लेकिन उन्हें जमानत नहीं मिल पाई है। शिअद नेता के खिलाफ पिछले साल 20 दिसंबर को स्वापक औषधि एवं मन-प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद मजीठिया ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी।

यूक्रेन पर रूस के हमले से 10 रुपए बढ़ सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली । रूस ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। सात साल में पहली बार कच्चे तेल की कीमत इस स्तर पर पहुंची है। रूस दुनिया में कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि नेचुरल गैस का सबसे बड़ा प्रॉड्यूसर है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड का दाम 6.28 डॉलर बढ़कर 102.80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई की कीमत 5.74 डॉलर की तेजी के साथ 98.84 डॉलर पहुंच गई। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की घोषणा की और साथ ही दूसरे देशों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। इससे कच्चे तेल की कीमत सितंबर 2014 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इससे देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में आने वाले दिनों में भारी तेजी आ सकती है। देश में दिवाली के बाद से पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, देश में पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा बिक्री दरें 82-83 डॉलर प्रति बैरल के कच्चे तेल भाव के अनुरूप हैं। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में दिवाली के बाद कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे तेल कंपनियों की रोजाना भारी नुकसान हो रहा है। इसलिए माना जा रहा है कि कि उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। अभी दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपये और डीजल की कीमत 86.67 रुपये प्रति लीटर है। इसमें 8 से 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हो सकता है।

कांग्रेस पार्टी सरकारी कर्मियों के हितों के लिए समर्पित : कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार की ओर से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पार्टी सरकारी कर्मियों के हितों के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने ट्वीट किया, राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू करके सरकारी कर्मियों के हित में बहुत बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस पार्टी सरकारी कर्मियों के हितों के लिए पूरी तरह समर्पित है। हमने जनता के हित में काम किया है, काम करते रहेगा। गौरतलब है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने बुधवार को वित्तवर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन लागू करने की घोषणा की।

भारी बर्फबारी के बीच जम्मू-कश्मीर में छह लोग लापता

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी के बीच छह लोगों के लापता होने की जानकारी मिली है, इसके बाद सेना ने तलाश अभियान चलाया। आपदा प्रबंधन निदेशक आमिर अली ने बताया कि किश्तवाड़ के वारवान गांव के छह लोग मार्गन टॉप से होते हुए दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले से पैदल गए थे और उन्होंने मार्गन टॉप से 20 घंटे से अधिक समय समय पहले फोन किया था। उन्होंने कहा कि उसके बाद से उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।अली ने कहा कि सेना ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है, लेकिन अभी उनका कुछ पता नहीं चल सका है। आशंका है कि ये लोग बर्फ में फंस गए हैं।

दीप सिद्धू की अंतिम अरदास में श्री फतेहगढ़ साहिब में जुटे लोग

जालंधर । पंजाबी इंडस्ट्री के मशहूर अदाकार और किसान आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले दीप सिद्धू की 15 फरवरी को सड़क हादसे में मौत हो गई। उनकी मौत से उनके प्रशंसक और परिवार वाले बुरी तरह टूट गए थे। 24 फरवरी को अदाकार दीप सिद्धू की अंतिम अरदास गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब के दीवान टोडर मल्ल हॉल में हुई। संगत के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, खालसा एड के साथ अलग-अलग पंचायतों की तरफ से लंगर लगाए जा रहे हैं। वहां पर युवक 'केसरी मार्च' कर पहुंच रहे हैं। फतेहगढ़ साहिब में भारी मात्रा में इकट्ठ होगा। अकाली नेता विरसा सिंह वल्टोहा ने दीप सिद्धू की मौत पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा भाजपा नेता हरजीत सिंह ग्रेवाल ने दीप सिद्धू की मौत पर दुख प्रकट किया है। किसी के जाने से दुखजरूर होना चाहिए। इस तरह इकट्ठ होना कोई साजिश लग रही है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। बता दें कि दीप सिद्धू अपनी महिला दोस्त के साथ दिल्ली से पंजाब लौट रहे थे।दिल्ली से पंजाब आते समय कुंडली मानेसर (के.एम.पी.) हाईवे पर घटे सड़क हादसे में दीप सिद्धू की मौत हो गई।

भाजपा सरकार ने हवाई जहाज और हवाईअड्डे तक बेच दिए : अखिलेश यादव

प्रयागराज ।

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करते हुए अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई सैर कराने की बात करती है, लेकिन उन्होंने हवाई जहाज से लेकर हवाईअड्डे और बंदरगाह तक बेच दिए। शहर से 30 किलोमीटर दूर हंडिया विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार देश की मुनाफे वाली परिसंपत्तियां भी बेच रही है ताकि उसे लोगों को ना आरक्षण देना पड़े और ना नौकरी देनी पड़े। ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी। रोजगार के मुद्दे पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले तीन साल से ना तो फौज में और ना ही पुलिस में भर्ती निकाली। नौजवानों का पांच साल इंतजार में कट गया और अब वे और इंतजार नहीं करना चाहते। जिले का नाम इलाहाबाद से प्रयागराज किए जाने पर तंज करते हुए अखिलेश ने कहा कि नाम बदलने के बाद यह जिला ही बदनाम हुआ है। चाहे वह कुम्भ का घोटाला हो, चाहे नौजवानों पर लाठी चली हो, चाहे यहां के लोगों ने गंगा में बहती हुई लाशों को देखा हो। नाम जरूर बदल दिया, लेकिन सरकार ने बदनामी भी उतनी ही कराई है। हंडिया विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी हाकिम चंद्र बिंद के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि जब से वोट पड़ा है, भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ठंडे पड़ गए हैं।

यूक्रेन ने बंद की हवाई सीमा, बीच रास्ते से लौटा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली । भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए कीव जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान 24 फरवरी की सुबह बीच रास्ते से ही वापस लौट आई है। क्योंकि यूक्रेन ने सभी वाणिज्यिक उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। करीब दो घंटे की उड़ान के बाद ये विमान ईरान की सीमा में था। तभी विमान पायलट को यूक्रेन के अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बारे में सूचना मिली। इसके बाद एयर इंडिया की कीव के लिए उड़ान वापस लौट आई। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए इस सप्ताह एयर इंडिया की ये दूसरी उड़ान थी। एयर इंडिया के विमान ने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 7.30 बजे उड़ान भरी और दो घंटे के बाद ईरान की सीमा में पहुंच गया था। इसके बाद विमान को यूक्रेन की हवाई सीमा के बंद होने की सूचना मिलने पर वापस आ गया। इस सप्ताह एयर इंडिया की कीव के लिए यह दूसरी उड़ान थी। मंगलवार को एयर इंडिया कीव से 242 भारतीयों को वापस लाया था, जिनमें ज्यादातर छात्र थे। गुरुवार की सुबह रूस ने उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के ऊपर हवाई क्षेत्र में नागरिक हवाई यातायात पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक नोटिस जारी किया।इसके बाद यूक्रेन ने सुबह 6.15 बजे से उड़ानों की सुरक्षा के लिए ज्यादा जोखिम के कारण नागरिक हवाई रूस ने भी नागरिक उड़ानों की सुरक्षा के लिए यूक्रेन के साथ अपनी लगी अपनी सीमा में रोस्तोव सेक्टर में कुछ हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है।

मध्यम अवधि में भारत के कर्ज के रुख को लेकर अनिश्चितता कायम

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से महामारी के प्रभाव से उबर रही है, लेकिन मध्यम अवधि के कर्ज के रुख को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। फिच रेटिंग्स की रिपोर्ट 'निवेशक क्या जानना चाहते हैं- भारत के सरकारी और वित्तीय संस्थान-2022' में कहा गया है कि संपत्ति की गुणवत्ता के जोखिम और पूंजी की सीमा की वजह से वित्तीय संस्थान असमान पुनरुद्धार की स्थिति से जूझ रहे हैं। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। अगले वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 10.3 प्रतिशत रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कुल मिलाकर मध्यम अवधि में ऋण का रुझान चिंता का विषय है। एक फरवरी, 2022 को पेश बजट के हिसाब से देखा जाए, तो राजकोषीय मजबूती की रफ्तार पूर्व में लगाए गए अनुमान से कम रहेगी। फिच रेटिंग्स ने कहा कि भारत के मध्यम अवधि के ऋण के रुख की वजह से ही नवंबर, 2021 में एजेंसी ने बीबीबी-सॉवरेन रेटिंग की पुष्टि करते हुए नकारात्मक परिदृश्य को कायम रखा था। फिच ने हालांकि कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबर रही है और वित्तीय क्षेत्र का दबाव कुछ कम हो रहा है।

यूपी चुनावी समर: आर पी एन सिंह ने कांग्रेस के लड़की हूं कैंपेन का उड़ाया मजाक

कुशीनगर ।

यूपी चुनावी समर में कांग्रेस का दामन छोड़कर छोड़कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के लड़की हूं अभियान की खिल्ली उड़ाते हुए कहा है कि कांग्रेस के इस अभियान का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उस अभियान की एक पोस्टर गर्ल खुद भाजपा में आ गई है और पार्टी ने महिलाओं के नाम पर कांग्रेस नेताओं की पत्नियों को टिकट दिया है। सिंह ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विश्वास के समावेशी मंत्र से प्रेरित विकास योजनाओं के साथ जाति बाधाओं को तोड़ दिया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अब एक पार्टी या एक विचारधारा के रूप में मौजूद नहीं है। सिंह 1996 से लगातार तीन बार पडरौना से विधायक चुने गए थे और वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपीएन सिंह के बेटे हैं। एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा मैंने स्पष्ट रूप से देखा है कि दलितों, पिछड़े, सबसे पिछड़े और उच्च जाति के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्र निर्माण की योजनाओं,कार्यशैली और प्रयासों से प्रेरित होकर जाति की बाधाओं को तोड़ दिया है। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा में शामिल होने के बाद पिछड़ी जातियों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए भाजपा ने उन्हें शामिल किया है।

आरपीएन सिंह चुनावी दौड़ से बाहर हैं लेकिन अपने गृह जिले कुशीनगर में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के छठे चरण में कुशीनगर में तीन मार्च को मतदान होना है।

जम्मू में 3 से 8 क्लास के भी छात्रों के लिए ऑफलाइन क्लास शुरु

जम्मू ।

जम्मू में उच्च कक्षा के स्कूल और कॉलेजों को खोलने के बाद 3 से 8 क्लास के भी छात्रों के लिए ऑफलाइन कक्षाओं को शुरू कर दिया है। यह ऑफलाइन कक्षाएं सख्त कोरोना प्रोटोकॉल के तहत शुरू की गई हैं। आफलाइन कक्षा शुरू होने के साथ ही छात्रों में फिर से रौनक देखने को मिली। इतना ही नहीं छात्रों ने खुशी जाहिर की है, साथ ही साथ स्कूल के प्रिंसिपल और टीचर ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। 2 साल बाद पहला मौका आया है, जब जम्मू के निचली कक्षाओं को फिर से खोला गया है।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर में नए कोरोना वायरस के मामलों में लगातार गिरावट जारी है। इसकारण सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से खोलने की घोषणा की थी। 14 फरवरी को प्रशासन द्वारा नियमित ऑफलाइन शिक्षण के लिए विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, पॉलिटेक्निक और आईटीआई और कक्षाओं को 9 से 12 तक खोलने की अनुमति के बाद अधिकांश उच्च और उच्च माध्यमिक विद्यालय खुल गए। जम्मू विश्वविद्यालय और कश्मीर विश्वविद्यालय ने 1 मार्च से छात्रों के लिए परिसरों को फिर से खोलने का फैसला किया है। अपनी स्कूल यूनिफॉर्म में साफ-सुथरे कपड़े पहने, निचली कक्षाओं के छात्र उत्साहित थे, उन्होंने अपने स्कूलों में वापस आने पर प्रसन्नता व्यक्त की। गांधी नगर हाई स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र ने कहा कि अभी तक हम ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

जयमाल के स्टेज पर खुली दूल्हे की पोल तो बेहोश हो गई दुल्हन, होश में आने पर शादी से किया इनकार

इटावा ।

मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म बाला का दृश्य एक शादी समारोह में देखने को मिला। जयमाल के स्टेज पर दूल्हे की पोल खुली तो लोगों की हंसी छूट गई, लेकिन दुल्हन बेहोश होकर स्टेज पर ही गिर पड़ी। दुल्हन जब होश में आई तो उसने शादी करने से इन्कार कर दिया। काफी मान मौव्वल के बाद भी वह नहीं मानी तो बिना फेरे लिए दूल्हा और बरात बैरंग लौट गई। इस बीच वर और वधू पक्ष के बीच मारपीट तक की नौबत भी आ गई, लेकिन बड़े-बुजुर्गों के बीच में आ जाने से स्थिति संभल गई। भरथना थानाक्षेत्र के ध्यानपुरा निवासी व्यक्ति ने बेटी की शादी बिधूना निवासी अजय कुमार के साथ तय की थी। 16 फरवरी को कन्या के पिता ने बिधूना पहुंचकर वर का लगुन चढ़ाने की रस्म की। तय तिथि के अनुसार 22 फरवरी को बरात ऊसराहार थानाक्षेत्र के उद्देतपुर गांव स्थित मैरिजहोम में पहुंची। रात में वरमाला का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। जयमाल के स्टेज पर दूल्हे के बाल देखकर दुल्हन को शक हुआ। इसपर उसे किसी ने बताया कि दूल्हे ने विग लगा रखी है। सिर पर नकली बाल लगे होने की जानकारी पर दुल्हन ने ध्यान से दूल्हे को देखा तो बात सच निकली।

दूल्हे के बाल न होने और विग लगाए देखकर दुल्हन को चक्कर आ गया और वह स्टेज पर गिर पड़ी। दुल्हन को चक्कर आने की जानकारी होते ही पंडाल में अफरा तफरी मच गई और जब दूल्हे के विग लगाकर आने की जानकारी हुई तो सभी हंसी छूट गई। होश में आते ही दुल्हन ने शादी से इन्कार कर दिया तो घरवालों ने समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी।

परिवारवादी लोग जमीनी हकीकत से बेहद दूर उन्हें जनता के दुख-दर्द से नहीं कोई लेना-देना : मोदी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विस चुनाव के लिए जारी प्रचार अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर हमला बोला है। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि परिवारवादी लोग जमीनी हकीकत से बेहद ही दूर है और उन्हें जनता के दुख दर्द से कोई लेना-देना नहीं। उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए चुनावी सभा को संबोधित करने अमेठी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश रंगों वाली होली 10 मार्च को ही मनाना शुरु कर देगा। अमेठी और सुल्तानपुर के लोग तो जानते ही हैं कि परिवारवादी लोग जमीनी हकीकत से इतनी दूर हैं कि जमीन पर क्या चल रहा है, इन्हें दिखाई ही नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि आज दशकों बाद यूपी में ऐसा चुनाव हो रहा है जब कोई सरकार अपने किए विकास कार्यों के आधार पर, गरीब के हित में किए कार्यों के आधार पर वोट मांग रही है। वर्षों बाद ऐसा हुआ है जब यूपी की सरकार, सुधरी हुई कानून व्यवस्था पर वोट मांग रही है। परिवारवादी लोग सत्ता में इसलिए आना चाहते हैं ताकि अपनी और अपने परिवार की ताकत बढ़ा सकें और राजा-महाराजा की तरह आप पर राज कर सकें। हमें किसी ताकत के लिए सत्ता नहीं चाहिए, ना ही हमारी ताकत कोई बाहुबली या माफिया है, हमारी ताकत उत्तर प्रदेश की जनता है। मोदी ने कहा कि वर्षों बाद ऐसा हुआ है जब यूपी में दंगे रुके हैं, अपराधियों की हिम्मत पस्त हुई है। वर्षों बाद ऐसा हुआ है जब मुख्यमंत्री पर अपने परिवार को आगे बढ़ाने, भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये जो परिवारवादी लोग होते हैं, वो सत्ता में इसलिए आना चाहते हैं ताकि अपनी और अपने परिवार की ताकत बढ़ा सकें। हमें किसी ताकत के लिए सत्ता नहीं चाहिए। हमारी ताकत उत्तर प्रदेश की जनता है, यहां के गरीब हैं, यहां की माताएं-बहनें हैं। आज का दिन को विशेष दिन बताते हुए मोदी ने कहा कि आज ही पीएम किसान सम्मान निधि को 3 साल पूरे हुए हैं। जब 2019 में हमने ये योजना शुरु की थी, तो कई लोग अफवाहें, भ्रम फैला रहे थे। लेकिन हम जो काम करते हैं, ईमानदारी से करते हैं। 3 साल से पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा सीधे किसानों के बैंक खातों में जा रहा है। अमेठी के किसानों को भी 450 करोड़ रुपये से ज्यादा इस योजना से सीधे बैंक खाते में मिला है। सुल्तानपुर के किसानों को 430 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से 20 साल पहले, 24 फरवरी की ही वो तारीख थी, जब मैं पहली बार विधायक बना था। पहली बार चुनाव के मैदान में आना पड़ा था, राजकोट के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिए और सेवा का ये सिलसिला शुरू हुआ। मैंने जीवन में कभी सोचा नहीं था कि मैं कभी चुनावी दंगल में जाऊंगा। जिस रास्ते में जाने का मैंने कभी सोचा नहीं था। जनता का सेवक बनकर उनके लिए काम करने का संकल्प हर दिन के साथ और सशक्त हुआ है। यही सेवा भावना भाजपा की पहचान है। उन्होंने कहा कि चुनावी दुनिया में आने के बाद जिस तरह यूपी ने मुझे अपना बना लिया ।

गहलोत के दिए आईफोन-13 को लौटने की तैयारी में भाजपा विधायक

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार ने राजस्थान में बजट 2022 पेश किया। बजट की रही कि पुरानी पेंशन को लागू करने की घोषणा की। यूपी में ये सपा और कांग्रेस की तरफ से चुनावी मुद्दा भी रहा है। गहलोत सरकार के इस कदम से 2024 के चुनाव को एक नई दिशा देने की कोशिश की गई है। लेकिन साथ ही गहलोत सरकार के बजट का सबसे चर्चित घोषणा रहीं, सभी विधायकों को आईफोन 13 दिया जाना। चाहे कांग्रेस का विधायक हो या बीजेपी का राज्य की विधानसभा के सभी 200 विधायकों को आईफोन 13 गिफ्ट किया गया। आईफोन 13 की कीमत 75 हजार से 1 लाख है। गहलोत सरकार की तरफ से आईफोन-13 देने के बाद इस कदम का विरोध भी शुरू हो गया है। राज्य के बीजेपी विधायक राजस्थान सरकार की तरफ से दिए गए आईफोन 13 वापस करने वाले है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने इसके बारे में ट्वीट करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर पड़ने वाले वित्तीय भार को दृष्टिगत रखते हुए कांग्रेस सरकार द्वारा दिए गए आईफोन को वापस करने वाले है। पूनिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ समेत अन्य विधायकों से इस मसले पर चर्चा करने के बाद ये फैसला लिया गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस सरकार की तरफ से हाल ही में 250 आईफोन खरीदे गए थे। वैसे ये कोई पहली बार नहीं है जब कि विधायकों को महंगे गिफ्ट दिए गए हो। इससे पहले विधायकों को एपल के आईपैड दिए गए थे। उससे पहले वाले बजट के समय लैपटॉप दिए गए थे। जयपुर में विधायकों के नए लग्जरी आवास भी बन रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

यूक्रेन की राजधानी कीव में हुए कई धमाके, पुतिन की चेतावनी- कोई दखल ना दे, वरना अंजाम बुरा होगा

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीरवार को यूक्रेन में सैन्य अभियान की घोषणा की, साथ ही दावा किया कि इसका मकसद नागरिकों की रक्षा करना है। पुतिन ने टेलीविजन पर एक संबोधन में कहा कि यूक्रेन द्वारा पेश किए जा रहे खतरों के जवाब में यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि रूस का लक्ष्य यूक्रेन पर कब्जा करना नहीं है।

यूक्रेन की सेना हथियार डाल दे- इसके साथ ही पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की सेना हथियार डाल दे। इसके बाद यूक्रेन के अलग-अलग शहरों से लगातार धमाके की खबरें आ रही हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव पर तो क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला होने की जानकारी मिली है। एएफपी के मुताबिक, पुतिन ने यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई का आदेश देते हुए कहा कि रूस का कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन कोई भी हमारे साथ हस्तक्षेप करने की कोशिश करता है या हमारे

लोगों के लिए खतरा पैदा करने की कोशिश करता है, उसे पता होना चाहिए कि रूस की प्रतिक्रिया तत्काल होगी और आपको ऐसे परिणामों की ओर ले जाएगी जैसा आपने अपने इतिहास में पहले कभी अनुभव नहीं किया है।

रूस ने यूक्रेन से लगी सीमा के पास 2 लाख जवानों को किया तैनात

इसके साथ ही, रूस ने यूक्रेन से लगी सीमा के पास करीब 2 लाख जवानों को तैनात किया है। इधर, यूक्रेन की राजधानी कीव में कई धमाके की आवाजें सुनाई दी। बता दें कि विस्फोट की आवाज क्रेमटोर्स्क और यूक्रेन के तीसरे सबसे बड़े शहस ओडेस्सा में सुनाई दे रही है।

हमले से होने वाली मौतों और तबाही के लिए रूस अकेला जिम्मेदार है वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इस हमले से होने वाली मौतों और तबाही के लिए रूस अकेला जिम्मेदार है। अमेरिका और उसके सहयोगी एकजुट और निर्णायक तरीके से जवाब देंगे। दुनिया इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराएगी।

सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने चार पैरा बटालियन को 'प्रेसिडेंशियल कलर्स' से किया सम्मानित

बेंगलुरु। थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने वीरवार को बेंगलुरु में पैराशूट रेजिमेंट ट्रेनिंग सेंटर में चार पैराशूट बटालियनों को प्रेसिडेंशियल कलर्स प्रदान किए। राष्ट्रपति के रंग या निशान का पुरस्कार युद्ध और शांति दोनों के दौरान राष्ट्र के लिए अपनी असाधारण सेवा की मान्यता में एक सैन्य इकाई को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। इस सम्मान को हासिल करने वाली चार बटालियन 11 पैरा (विशेष बल), 21 पैरा (विशेष बल), 23 पैरा और 29 पैरा हैं। बता दें कि इस दौरान पैराशूट रेजीमेंट प्रशिक्षण केंद्र (पीआरटीसी) में कलर प्रेजेंटेशन परेड भी आयोजित की गयी। इस मौके पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। परेड में आठ पैरा ट्रूपर्स ने कॉम्बैट फ्री फॉल का प्रदर्शन भी किया गया। हालांकि, तेज हवाओं के कारण पैरामोटर उड़ान का प्रदर्शन बाद में रद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रेसिडेंशियल कलर्स पुरस्कार युद्ध तथा शांति दोनों के दौरान राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के लिए किसी सैन्य टुकड़ी को दिए जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। यह निशान के नाम से भी प्रसिद्ध है।

सेना प्रमुख बोले- संभावित खतरे के लिए सेना तैयार-बता दें कि थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने इस दौरान यह संदेश दिया कि भारतीय सेना देश की सीमाओं पर शांति और स्थायित्व बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी संभावित खतरे के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सेना ने नए हथियारों और आधुनिक उपकरणों में अपनी दक्षता बढ़ाई है। नरवणे ने कहा कि युद्ध क्षेत्र में बदलाव के साथ ही हथियारों के इस्तेमाल, सेनाओं को संगठित करने और युद्ध लड़ने के तरीकों में काफी बदलाव आए हैं। सेना ने नए हथियारों और आधुनिक उपकरणों में अपनी दक्षता बढ़ाई है, लेकिन फिर भी बदलाव की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

कृषि क्षेत्र में बजट के प्रावधानों पर चर्चा कर रहे हैं पीएम, बोले

एक क्लिक पर करोड़ों किसानों के खातों में पैसे ट्रांसफर होना गर्व की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कृषि क्षेत्र में बजट के प्रावधानों को लेकर चर्चा कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि ये ये सुखद संयोग है कि 3 साल पहले आज ही के दिन पीएम किसान सम्मान निधि की शुरुआत की गई थी। ये योजना आज देश के छोटे किसानों का बहुत बड़ा संबल बनी है। इसके तहत देश के 11 करोड़ किसानों को लगभग पौने 2 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इस योजना में भी हम स्मार्टनेस का

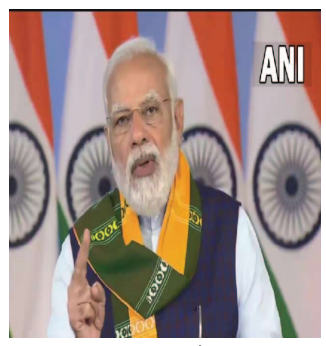

अनुभव कर सकते हैं। सिर्फ एक क्लिक पर 10-12 करोड़ किसानों के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर होना अपने आप मे हर भारतीय के लिए गर्व करने वाली बात है। मोदी ने कहा कि बीते 7 सालों में हमने बीज से बाजार तक अनेक नई व्यवस्थाएं तैयार की हैं, पुरानी व्यवस्थाओं में सुधार किया है। सिर्फ 6 सालों में कृषि बजट कई गुना बढ़ा है। किसानों के लिए कृषि लोन में भी 7 सालों में ढाई गुना की बढ़ोतरी की गई है।

पाकिस्तान के और बिगड़ेंगे हालात; अब मछुआरों ने की हड़ताल

कराची बंदरगाह पर जहाजों की आवाजाही रोकी

कराची। पाकिस्तान में मछुआरों के विरोध-प्रदर्शन के चलते कराची बंदरगाह पर आयात-निर्यात गतिविधियां पूरी तरह से ठप हो गई हैं। समुद्री मामलों के मंत्रालय और मछुआरे समुदाय के बीच बातचीत की कोशिशें विफल रही हैं। मछुआरा समुदाय मंगलवार को बैठक छोड़कर बाहर चला गया, क्योंकि बातचीत से कोई नतीजा निकलता नहीं दिख रहा था। सूत्रों के हवाले से बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों वाले जहाजों को विरोध के कारण खुले समुद्र में खड़ा किया गया है, जबकि गेहूं के शिपमेंट में भी देरी हो रही है। बुधवार को बंदरगाह पर कम से कम सात जहाजों के आगमन को स्थगित कर दिया गया और तीन जहाज बंदरगाह से बाहर नहीं जा सके। एक और जहाज नाकाबंदी के कारण दूसरे स्थान पर खड़ा नहीं हो सका।

विरोध के चलते सीमेंट निर्यात भी प्रभावित

करीब नौ जहाजों के बंदरगाह छोड़ने की उम्मीद है, लेकिन विरोध के कारण बंदरगाह से बाहर नहीं निकल पर रहे हैं। इसके अलावा, विरोध के चलते सीमेंट निर्यात भी प्रभावित हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक जहाजों के शेड्यूल में बदलाव के कारण अतिरिक्त शुल्क भी बढ़ता जा रहा है। मछुआरे

समुदाय के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक में पीएम के सहयोगी महमूद मोलवी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विरोध के कारण चैनल बंद होने से अब तक आठ जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, मोलवी ने कहा कि मछुआरा समुदाय के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत आज फिर से शुरू होगी।

अप्रैल से आपकी जेब पर बढ़ेगा बोझ !

दिल्ली को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर 10 फीसदी तक बढ़ सकता है टोल टैक्स

नई दिल्ली। अगर आप अपने वाहन से एक्सप्रेसवे पर सफर करते हैं तो संभव है कि अप्रैल से आपको अधिक खर्च करना पड़े। दिल्ली को जोड़ने वाले लगभग सभी नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर टोल दरें बढ़ाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि इसे लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की ओर से तैयार शुरू कर दी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए टोल एजेंसियों के चयन की प्रक्रिया भी चल रही है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के छिजारसी टोल, दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे के बदरपुर बॉर्डर सहित नेशनल हाईवे-8 (दिल्ली-जयपुर) और अन्य टोल प्लाजा के लिए एजेंसी की चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुछ जगह निविदाएं भी आमंत्रित कर ली गई हैं। एजेंसी चयन के साथ ही परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीयूई) की तरफ से टोल दरें बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव भी भेजना शुरू कर दिया है। सूत्रों का कहना है

कि अनुमानित तौर पर 10 फीसदी तक की बढ़ोतरी हर श्रेणी के वाहनों से टोल वसूली में होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि कोरोना के चलते पहले लॉकडाउन में सभी टोल प्लाजा को काफी नुकसान हुआ था, जिसकी वजह से टोल वसूली का लक्ष्य पिछड़ गया था। अब सभी गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हैं, इसलिए एनएचएआई 10 फीसदी तक की औसत वृद्धि कर सकती है। यह वृद्धि निजी वाहन, हल्के, भारी और अत्यधिक भारी वाहनों की श्रेणी में होगी। इसके साथ ही जिन टोल प्लाजा पर मासिक पास लागू है। उनके मासिक पास भी पहले से महंगे होने के आसार हैं।